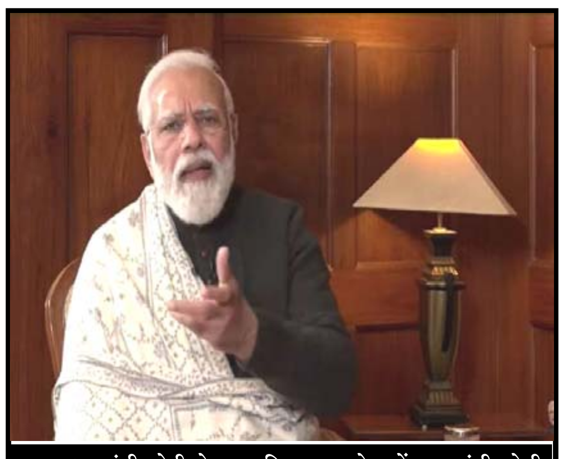

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वह कर दिखाया है जो विपक्षी दलों के शासनकाल में असंभव था। योजनाएं गरीबों के घर पहुंच रही हैं। कानून व्यवस्था दुरुस्त है बहन बेटियां सुरक्षित हैं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 59 दिनांकः 10-02-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 237 रन बनाए थे। विंडीज टीम 193 रन पर सिमट गई।

पीएम मोदी बोले, चुनावी राज्यों में भाजपा के पक्ष में लहर, सीएम योगी ने वो कर दिखाया, जो विपक्षी दलों के शासनकाल में था असंभव

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को फेक समाजवादी बरार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि समाजवाद का असली गुण और व्यवहार तो भाजपा में है। एक ही तराजू पर सपा और कांग्रेस को रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहां परिवारवाद हावी है जबकि भाजपा सरकार में गरीबों को भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य की व्यवस्था, कृषि के लिए मदद जैसे सारे काम होते हैं। यह काम अगर समाजवाद है और कोई भाजपा को समाजवादी कहे तो मंजूर है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब समेत सभी पांचों चुनावी राज्यों में भाजपा की लहर है।

पिछले दो दिनों से संसद में प्रधानमंत्री परिवारवाद को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते रहे हैं। बुधवार को एक समाचार एजेंसी एएनआइ को दिए साक्षात्कार में उन्होंने इसे विस्तार से समझाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राम मनोहर लोहिया, जार्ज फर्नाडिस, नीतीश कुमार सभी समाजवादी हैं और इनके परिवार से कोई दूसरा चुनाव लड़ने नहीं आया। किसी की ओर से भेजी गई एक चिट्ठी का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहां 45 सदस्य कोई न कोई चुनाव लड़ रहे थे। समाजवादी पार्टी के मुखिया के परिवार में 25 से ऊपर ऐसा कोई बचा ही नहीं जिसने चुनाव न लड़ा हो। यही हाल दूसरी पार्टी का है जहां सबकुछ परिवार के लिए होता है अध्यक्ष भी उसी परिवार से, कोषाध्यक्ष भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू -कश्मीर हो या तमिलनाडु, पंजाब हो या उत्तर प्रदेश यही परिवारवाद हावी है। ऐसे में आज का युवा भाजपा छोड़कर किसी दूसरी पार्टी ने जाना चाहे तो भी जगह नहीं मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वह कर दिखाया है जो विपक्षी दलों के शासनकाल में असंभव था। योजनाएं गरीबों के घर पहुंच रही हैं। कानून व्यवस्था दुरुस्त है, बहन बेटियां सुरक्षित हैं। अखिलेश कह रहे हैं कि उनकी योजनाओं का श्रेय लिया जा रहा है लेकिन सच्चाई यह है कि वह कर ही नहीं पाए थे, अब योगी जी ने कर दिया तो उसे कैश करने चले हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई हो रही है, वरना कुछ लोगों का तो घर ही पीआइएल पर चलता है। उन्हें भी कुछ नहीं मिला इसका अर्थ ही है कि ऐसा कुछ था ही नहीं।

'दोनों लड़कों' को जनता ने नकारा पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-सपा के गठबंधन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहां पहले 'दो लड़के' भी लड़े चुके हैं और अहंकार भी दिखा चुके हैं, जब उन लोगों की ओर से 'दो गधे' की बात की गई थी। बाद के चुनाव में बुआ भी आ गई थीं लेकिन जनता ने हर बार उनको नकारा। यह इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा सरकार फाइल साइन करने और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहती है। भाजपा डिलीवरी पर जोर देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जब हारती है तो मंथन करती है कि विरोधियों की क्या रणनीति थी, खुद को सुधारती है, सीखती है और जब जीतती है तो दिल जीतने में लगती है। जमीन पर अपनी स्थिति और मजबूत करने की कोशिश करती है। यही कारण है कि जनता का भरोसा भाजपा में है। हम जीत को सिर पर सवार नहीं होने देते हैं। डबल इंजन सरकार को लेकर भी उन्होंने विस्तार से बताया और कहा कि कुछ राज्य यह समझते हैं कि उनकी सरकार है और वह अपनी मर्जी चलाएंगे लेकिन इसमें जनता का नुकसान हो जाता है। उन्होंने आयुष्मान योजना का हवाला दिया और कहा कि अगर कोई राज्य इसे लागू नहीं करता है तो वहां की जनता दूसरे राज्यों में जाकर इसका फायदा नहीं ले पाएगी। इस क्रम में उन्होंने दिल्ली का नाम भी लिया।

कांग्रेस बुधवार को भी उनके निशाने पर सबसे ऊपर थी। उन्होंने कहा कि देश का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया। उन्होंने कहा, 'मुझे और अटल जी को छोड़कर जितने भी प्रधानमंत्री बने उनका मूल तो कांग्रेस ही था। इसीलिए कांग्रेस संस्कृति ही पनपी। कांग्रेस मुक्त भारत से मेरा मतलब उनकी संख्या से नहीं है, उसकी संस्कृति से मुक्ति की है।'

बिकिनी हो, घूंघट हो, जींस हो या हिजाब, यह तय करना एक महिला का अधिकार हैः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी के विधायक रेणुकाचार्य ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के कपड़ों की वजह से रेप बढ़ रहे हैं। बीजेपी विधायक का यह बयान तब आया जब कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बिकनी पहनने के अधिकार को लेकर ट्वीट किया। बता दें कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को ट्वीट में कहा कि चाहे वह बिकिनी हो, घूंघट हो, जींस हो या हिजाब, यह तय करना एक महिला का अधिकार है कि वह क्या पहनना चाहती है। यह अधिकार भारतीय संविधान द्वारा संरक्षित है। महिलाओं को परेशान करना बंद करें। प्रियंका के बयान पर रेणुकाचार्य ने कहा कि बिकनी जैसे शब्द का इस्तेमाल करना एक घटिया बयान को दर्शाता है। कॉलेज में पढ़ते समय, बच्चों को पूरी तरह से कपड़े पहनना चाहिए। आज महिलाओं के कपड़ों के कारण बलात्कार बढ़ रहे हैं क्योंकि पुरुषों को उकसाया जाता है। यह सही नहीं है। हमारे देश में महिलाओं का सम्मान है। इससे पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कर्नाटक में कॉलेज के छात्रों के समर्थन में आईं और उन्होंने ट्वीट किया कि लड़कियां क्या कपड़े पहनेंगी यह उनका अपना फैसला है और यह अधिकार संविधान द्वारा संरक्षित है। गौरतलब है कि कर्नाटक में कुछ कॉलेजों में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहन कर क्लास रूप में जाने पर बैन लगाया गया है। वहीं, कर्नाटक सरकार सरकारी स्कूलों में न तो हिजाब के पक्ष में है और न केसरिया के। प्रदेश के राजस्व मंत्री अशोक ने कहा, ''छात्र सड़कों पर जो चाहें पहन सकते हैं, लेकिन स्कूलों में ड्रेस कोड अनिवार्य है। हमने छात्रों की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए हैं। इस राजनीति के पीछे है कांग्रेस है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के निर्देश पर प्रदेश में 3 दिन के लिए हाई स्कूल और कॉलेज बंद हैं। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

दो करोड़ से ज्यादा मतदाता कल तय करेंगे 623 प्रत्याशियों का भाग्य,

लखनऊ। सात चरणों में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश व ब्रज के 11 जिलों की 58 सीटों के लिए गुरुवार 10 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान सुबह सात से शाम छह बजे तक होगा। पहले चरण के चुनाव में 2.28 करोड़ मतदाता 623 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 73 महिला प्रत्याशी शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भयमुक्त और निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिन जिलों में मतदान होना है, उनके जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षकों से रिपोर्ट ली जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 10853 मतदान केंद्रों के 26027 मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर वोट डाले जाएंगे। पहले चरण में 467 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 139 पिंक पोलिंग बूथ भी बने हैं इनमें सभी कर्मी महिलाएं होंगी। 61 पीडब्ल्यूडी पोलिंग बूथ भी बनाए गए हैं। इनमें दिव्यांगजन मतदान कर सकेंगे। दिव्यांगों की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर की भी व्यवस्था की गई है।

पहले चरण में जिन जिलों में मतदान होना है उनमें शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा और आगरा हैं। मतदान के लिए केंद्रीय बलों की 800 कंपनियां तैनात की गई हैं। इनमें से बूथों पर 724 कंपनी, स्ट्रांग रूम डयूटी के लिए पांच कंपनी व कानून व्यवस्था के लिए 66.61 कंपनी फोर्स रखी गई है। बाकी फोर्स को रिजर्व में रखा गया है। इसके अलावा पुलिस के 9464 इंस्पेक्टर एवं सब इंस्पेक्टर, 59,030 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षियों को लगाया गया है। इनके साथ 27 कंपनी पीएसी, 48,136 होमगार्ड, 505 पीआरडी जवान व 6,061 चौकीदारों को भी चुनाव डयूटी में लगाया गया है।

चुनाव आयोग ने एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, एक वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक तथा दो वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए हैं। यह क्षेत्र में रहकर पूरी निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मतदाताओं को जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से मतदाता पर्ची वितरित कराई जा चुकी है। इसके जरिए मतदाताओं को मतदेय स्थल व क्रम संख्या की जानकारी हो सकेगी। इसके अलावा मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप, भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी अपने मतदेय स्थल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि मतदान की अवधि में सभी बीएलओ मतदाता सूची के साथ हेल्प डेस्क पर उपस्थित रहेंगे। यह आने वाले मतदाताओं की सहायता करेंगे। मैं मीडिया के माध्यम से सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि आप अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। देख सकेंगे किसे डाला वोट : इस बार मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने किसे वोट दिया यह भी देख सकेंगे। चुनाव आयोग ने सभी मतदान बूथों पर ईवीएम के साथ 'वोटर वेरिफाइड पेपर आडिट ट्रेल' (वीवीपैट) भी लगाया है। इसके जरिए मतदाता देख सकेंगे कि उन्होंने जिस प्रत्याशी को वोट दिया है उसी की पर्ची निकलेगी। 50 प्रतिशत बूथों की होगी वेबकास्टिंग : स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग 50 प्रतिशत पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग करा रहा है। यानी इन केंद्रों पर वेबकास्टिंग के जरिए सीधी नजर रखी जा सकेगी। पोलिंग बूथों पर वेबकास्टिंग के जरिए जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी व भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर से निगरानी की जाएगी।

मतदान पर मजिस्ट्रेट रखेंगे नजर : पहले चरण के मतदान में कानून और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी के लिए 48 सामान्य प्रेक्षक, आठ पुलिस प्रेक्षक तथा 19 व्यय प्रेक्षक तैनात किए गए हैं। इनके अलावा 2,175 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 284 जोनल मजिस्ट्रेट और 368 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 2,718 माइक्रो आब्जर्वर लगाए गए हैं।

कौन है अल्लाह हू अकबर के नारे लगाने वाली मुस्कान, सोशल मीडिया पर हो रही ट्रेंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिजाब को लेकर विवाद के चलते कर्नाटक में शुरू हुआ प्रदर्शन अब पूरे देश में फैल गया। यह सब तब शुरू हुआ जब मुस्कान नामक एक लड़की हिजाब पहने कॉलेज में दाखिल हुई तो कुछ लड़कों ने उसे घेरकर 'जय श्री राम' के नारे लगाए। इसके बाद लड़की ने भी अल्लाह हू अकबर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसी बीच यह लड़की चर्चा का विषय बन गई और सोशल मीडिया पर भी ट्रेंड करने लगी। लोग इस लड़की के बारे में सर्च करने लगे। दरअसल, कर्नाटक स्थित उडुपी जिले के मणिपाल में महात्मा गांधी मेमोरियल कॉलेज में पढ़ने वाली इस लड़की का नाम मुस्कान है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दिखा कि लड़कों का एक समूह हिजाब पहले मुस्कान के चारों ओर 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे हैं और मुस्कान पलटकर अल्लाह हू अकबर के नारे लगा रही है। मुस्कान इसी कॉलेज में पढ़ती है और वह बीकॉम की छात्रा है। यह घटना भी उसी समय हुई जब वह असाइनमेंट के लिए कॉलेज गई हुई थी। घटना के बाद सोशल मीडिया पर मुस्कान की काफी चर्चा हो रही है। मुस्कान को लेकर लोगों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। ट्विटर पर काफी समय मुस्कान टॉप ट्रेंड में शामिल दिखाई दी। इतना ही नहीं दुनियाभर से लोगों ने इस मुद्दे पर ट्वीट किए हैं। सोशल मीडिया पर इन लड़कियों के पक्ष में समर्थन उमड़ पड़ा। घटना के बाद खुद मुस्कान ने बताया कि जब वे लगातार नारे लगा रहे थे तो मैं अल्लाह हू अकबर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस बीच प्रिंसिपल और लेक्चरर ने हमारा सपोर्ट भी किया। मुस्कान ने कहा कि हम हर समय बुर्का और हिजाब पहनते थे। मैं क्लास में हिजाब पहनती थी और बुर्का उतार देती थी। हिजाब हमारा एक हिस्सा है। प्रिंसिपल ने कभी कुछ नहीं कहा, बाहरी लोगों ने इसे शुरू किया है। इधर मामले को लेकर राजनीतिक दलों और अन्य हस्तियों से भी प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। कर्नाटक सरकार और हाईकोर्ट ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

मुलायम के कहने पर अखिलेश संग आए शिवपाल चाचा-भतीजे के रिश्ते में फिर खटास

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शिकस्त देकर उत्तर प्रदेश की सत्ता में काबिज होने को बेकरार समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रिश्तों में आई खटास को दूर करते हुए विधानसभा चुनाव से पहले अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) को गठबंधन में शामिल तो कर लिया है मगर सत्ता की खातिर दोनों के बीच हुआ यह समझौता कितना टिकाऊ साबित होगा, इसे लेकर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। इटावा में अपनी परंपरागत सीट जसवंतनगर से शिवपाल सपा के चुनाव चिह्न साइकिल के साथ चुनाव मैदान पर हैं, मगर उम्मीद से कोसों दूर उनकी पार्टी को गठबंधन में सिर्फ इसी सीट की हिस्सेदारी से संतुष्ट होना पड़ा है जबकि उनकी पार्टी के कई उम्मीदवार चुनाव जीतने की स्थिति में थे, नतीजन प्रसपा के कई पदाधिकारी पार्टी छोड़ कर अन्य दलों का रुख कर चुके हैं। शिवपाल के मन की यह टीस रह रह कर उनके बयानों से झलकती रहती है। चुनाव प्रचार के दौरान एक ढाबे में रुके शिवपाल का दर्द उनकी जुबान से बाहर आ गया। उन्होंने कहा कि वह अपने बड़े भाई मुलायम सिंह यादव (नेता जी) का बेहद सम्मान करते हैं और उन्हीं के कहने पर सपा गठबंधन का हिस्सा बने थे। उन्होंने कहा, ''नेताजी कहते थे कि कम से कम 100 सीटें लेना, फिर बोले कम से कम से 200 सीटें लेना लेकिन मैंने तो केवल 100 ही मांगी थी मगर उन्होंने (अखिलेश) ने कहा कि कुछ कम कर दो, तो पहले 65, फिर 45 और फिर 35 कर दी, फिर बोले यह भी ज्यादा है फिर मैंने कहा कि सर्वे करा लो, जितने भी हमारे जीतने वाले लोग हों, उन्हीं को टिकट दे दो । हम तो समझते थे कि कम से कम 20 या 25 लोगो को टिकट दे देंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सूची में सभी जीतने वाले लोग थे। अगर हमारी मान ली होती तो इटावा सदर सीट पर कितना बढ़िया चुनाव होता। एकतरफा चुनाव होता लेकिन जब सूची निकली, तब केवल एक सीट मिली इसलिए हम चाहते है कि सबसे बड़ी जीत इस सीट पर उत्तर प्रदेश में होनी चाहिए।'' शिवपाल ने कहा, ''अखिलेश यादव को सीएम बनाने के लिए हमने अपनी पार्टी का बलिदान कर दिया, जबकि एक वर्ष पूर्व हमने सौ टिकटों की घोषणा कर दी थी, सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा भी निकाली। जनता का अपार प्यार मुझे मिला। इसलिए अब हमारी अपील है कि जसवंतनगर विधानसभा से इतनी बड़ी जीत करवा देना, जिससे हमारा बलिदान बेकार न जाए। करहल में सबसे बड़ी जीत होगी या जसवंतनगर में, इसका मुकाबला है।'' शिवपाल ने कहा कि वह भतीजे (अखिलेश) के प्रचार के लिए हम करहल भी जाएंगे। करीबी पूर्व सांसद रघुराज सिंह के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि टिकट न मिलने से नाराज होंगे इसलिए छोड़ गए।

यूपी चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र 10 दिन में किसानों का कर्ज माफ गोबर खरीद का वादा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहले फेज की वोटिंग से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बाद अब कांग्रेस ने भी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उन्नति विधान' नाम से घोषणा पत्र जारी किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी और महंगाई की समस्या पर हमने बहुत काम किया है। प्रियंका ने कहा कि 10 दिन के भीतर किसानों का पूरा कर्जा माफ किया जाएगा। 2500 रुपए क्विंटल धान-गेहूं की खरीद होगी और गन्ना मूल्य 400 रुपए क्विंटल होगा।बिजली का बिल हाफ किया जाएगा, बकाया माफ किया जाएगा। 20 लाख सरकारी रोजगार देंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो जिन परिवारों पर कोरोना से आर्थिक मार पड़ी है उन्हें 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। 12 लाख खाली पदों को भरा जाएगा और 8 लाख नए पद बनाएंगे। 40 फीसदी महिलाओं को मिलेंगे। 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त होगा। प्रियंका ने कहा कि किसान छुट्टा पशु से बहुत परेशान हैं। छत्तीसगढ़ मॉडल पर इसका समाधान किया जाएगा। जिन किसानों को नुकसान हुआ है उन्हें 3 हजार रुपए दिया जाएगा। 'गोधन न्याय योजना' शुरू की जाएगी और 2 रुपए किलो गोबर खरीद की जाएगी। छत्तीसगढ़ में यह योजना चल रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो छोटे कारोबारियों को 1 फीसदी ब्याज पर कर्ज मिलेगा। श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए प्रस्ताव दिया गया है कि आउटसोर्सिंग की जाएगी। संविदा और सफाई कर्मियों को नियमित किया जाएगा। कांग्रेस ने वादा किया है कि झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को वहां की जमीन का मालिकाना अधिकार दिया जाएगा। लोगों को सस्ते आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। चौकीदारों का वेतन प्रतिमाह 5 हजार रुपए किया जाएगा। शिक्षा मित्रों को नियमित किया जाएगा। संस्कृत और ऊर्दू शिक्षकों के खाली पद भरे जाएंगे। एससी और एसटी स्टूंट्स को केजी से पीजी तक की शिक्षा मुफ्त दी जाएगी। महिला पुलिसकर्मियों को गृह जिला में पोस्टिंग दी जाएगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि यूपी में पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को खत्म किया जाएगा।

केजरीवाल के घर के बाहर किसानों ने शुरु किया अनिश्चितकालीन धरना

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि सात साल पहले जब केजरीवाल ने सत्ता संभाली थी तो उस वक्त वायदा किया था कि वह 25 कॉलेज एवं 500 से ज्यादा सेकेंडरी विद्यालयों का निर्माण किया जाएगा लेकिन आज सात साल में पांच विद्यालय खोलकर वह लोगों को शराब कैसे पीना है यह सिखा रहे हैं। लाल डोरा बढ़ाने की बात केजरीवाल सरकार ने की थी लेकिन आज एक भी गांव में लाल डोरा बढ़ाया नहीं गया। आज भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सहित दिल्ली के हजारों किसानों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर 12 सूत्री मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। किसानों की मांग है कि अरविंद केजरीवाल ने जो भी वायदे 7 साल पहले किसानों और मजदूरों से किए थे वह आज तक पूरे नहीं हो पाये हैं।

श्री बिधूड़ी ने कहा कि जिस तरह से केजरीवाल सरकार नई शराब नीति के तहत दिल्ली को शराब की नगरी बनाने पर तुले हुए हैं। साल 2015 में अरविंद केजरीवाल ने वायदा किया था कि किसान को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देंगे, लेकिन आज तक वायदा पुरा नहीं हुआ है। यही नहीं कृषि यंत्रों, खाद और ट्रेक्टरों पर सब्सिडी देने की बात भी केजरीवाल सरकार ने किसानों से कहा था लेकिन आज तक उसे भी पूरा नहीं किया।

श्री बिधूड़ी ने कहा कि किसान ट्रेक्टर को कमर्शियल वाहन की श्रेणी से हटाने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। इसके अलावा धारा 81-ए और धारा-33 को भी तुरंत हटाने की मांग भी पूरी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की मृत्यु हो जाती है, उनके उत्तराधिकारियों का नाम राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया जा रहा। आज से शुरु हुए अनिश्चितकालिन प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख श्री नवीन कुमार जिंदल, किसान मोर्चा के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विनोद सहरावात एवं किसान मोर्चा महामंत्री अनूप कुमार चौधरी सहित हज़ारों की संख्या में किसान एवं मंजदूर मौजूद थे।

भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 44 रन से हराया, सीरीज में अजेय बढ़त

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। वेस्टइंडीज की टीम ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट के 237 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 46 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। भारत ने 44 रन से मैच जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। सीरीज का आखिरी मुकाबला 11 फरवरी को खेला जाना है।

वेस्टइंडीज को प्रसिद्ध कृष्णा ने दिया पहला झटका दिया। ब्रेंडन किंग 18 रन बनाकर आउट हुए। कृष्णा ने डैरेन ब्रावो को आउट करके टीम को दूसरा झटका दिया। वह सिर्फ 1 रन बना सके। शाई होप को चहल ने 27 रन पर आउट करके पवेलियन भेजा। निकोलस पूरन को प्रसिद्ध कृष्णा ने 9 रन पर पवेलियन भेजा। जेसन होल्डर को शार्दुल ने दो रन पर आउट किया। टीम को छठी कामयाबी दीपक हुड्डा ने 44 रन पर बल्लेबाजी कर रहे शामरा ब्रूक्स को आउट कर दिलाई। फाबियान एलन को मोहम्मद सिराज ने 13 रन पर आउट किया। इसके बाद स्मिथ और जोसफ ने टीम के लिए संघर्ष किया लेकिन पूरी टीम 193 रन पर 46 ओवर में सिमट गई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में भारतीय टीम बदलाव के साथ उतरी। केएल राहुल की वापसी हुई लेकिन कप्तान रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने रिषभ पंत पहुंचे। भारत को पहला झटका कप्तान के रूप में ही लगा केमार रोच की गेंद पर तीसरे ओवर में 5 रन बनाकर वह वापस लौटे। विराट कोहली और पंत ने पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन 18 रन रन पर स्मिथ की गेंद पर होल्डर को कैच दे बैठे। इसके बाद भारत को तीसरा झटका कोहली के रूप में लगा वह विकेट के पीछे होप को इसी ओवर में कैच दे बैठे। उन्होंने भी 18 रन बनाए।

इसके बाद केएल राहुल और सूर्यकुमार यादव ने टीम को संभाला दोनों के बीच 91 रनों की साझेदारी हुई। केएल राहुल के तौर पर चौथा झटका लगा। वह 49 बनाकर रन आउट हुए। सूर्यकुमार यादव 64 रन बनाकर फैबियन एलन की गेंद पर आउट हुए। वाशिंग्टन सुंदर को 24 रन पर अकील होसेन ने पवेलियन भेजा। शार्दुल ठाकुर आठ रन बनाकर अलजारी जोसेफ की गेंद पर आउट हुए। सिराज को जोसेफ ने तीन रन पर पवेलियन भेजा। दीपक हुड्डा 29 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हुए। यजुवेंद्रा चहल 11 और प्रसिद्ध कृष्णा 0 पर नाबाद रहे।

बता दें कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पहला मुकाबला अपने नाम कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। दूसरा मुकाबला जीतकर टीम इंडिया सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। वहीं वेस्टइंडीज का इरादा सीरीज में बने रहने का होगा। दोनों टीमों में एक-एक बदलाव हुआ। टीम इंडिया में इशान किशन की जगह केएल राहुल की वापसी हुई। वहीं वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड अनफीट होने के कारण मैच से बाहर हैं। उनकी जगह टीम में ओडेन स्मिथ को मौका मिला। निकोलस पूरन इस मैच में टीम के कप्तान हैं।

चीन-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र भारत सरकार ने खारिज किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजिंग में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के बाद चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र भारत सरकार ने खारिज कर दिया है। भारत ने कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से रहे हैं और रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि हमने 06 फरवरी 2022 को जारी चीन और पाकिस्तान के बीच संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर और तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के संदर्भों का उल्लेख किया है।

उन्होंने कहा कि हमने हमेशा ऐसे संदर्भों को खारिज किया है और हमारी स्थिति चीन और पाकिस्तान को अच्छी तरह से पता है। इस मामले में भी हम संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को खारिज करते हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से रहे हैं और रहेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि संबंधित पक्ष भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमने तथाकथित सीपीईसी में परियोजनाओं पर चीन और पाकिस्तान को लगातार अपनी चिंताओं से अवगत कराया है, जो कि भारत के क्षेत्र में हैं, जिस पर पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। हम पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में अन्य देशों, साथ ही पाकिस्तान का भी यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास का सख्ती से विरोध करते हैं। हम संबंधित पक्षों से इस तरह की गतिविधियों को रोकने की मांग करते हैं।

तेल बिगाड़ रहा खेल, महंगाई के खिलाफ लड़ाई में दे रहा बड़ा झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। खाद्य तेल (खाने में इस्तेमाल होने वाला तेल) की बढ़ती कीमतें महंगाई को काबू करने से जुड़ी कोशिशों को बड़ा झटका दे रही हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले पाम ऑयल की कीमतों में इस साल 15 फीसदी का उछाल आया है और इसके प्राइसेज रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। वहीं, सोयाबीन ऑयल की कीमतों में 12 फीसदी की तेजी आई है। खाद्य तेल की बढ़ती कीमतें ग्लोबल फूड इनफ्लेशन को और मजबूती दे रही हैं, जो कि करीब-करीब रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गई है। भारत पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल और सनफ्लावर ऑयल का टॉप बायर है। इन एडिबल ऑयल्स (खाद्य तेल) की कीमतों में उछाल से दबाव बढ़ रहा है। 6 महीने में पिछले साल दिसंबर में कंज्यूमर फूड प्राइसेज सबसे तेजी से बढ़े हैं और इससे लोगों के घरों के बजट पर सीधा असर पड़ा है। बढ़ती कीमतों ने केंद्र की मोदी सरकार पर भी दबाव बढ़ाने का काम किया है, जो कि पहले से करीब 80 करोड़ लोगों को फूड ऐड दे रही है। केंद्र सरकार ने कीमतों में नरमी लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर इंपोर्ट डयूटी घटा दी है। साथ ही, जमाखोरी रोकने के लिए इनवेंटरीज घटाई है। निकट भविष्य में फिलहाल सरकार के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। अनुभवी ट्रेडर और गोदरेज इंटरनेशनल में डायरेक्टर दोराब मिस्त्री का कहना है कि इंपोर्ट डयूटी में और कटौती से कीमतों में नरमी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि तत्काल समाधान रिफाइंड पाम ऑयल को इंपोर्ट करना और इसे मार्केट वैल्यू से कम पर पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) के जरिए बेचना है।

कार्टून कोना

तीन जजों की बेंच करेगी हिजाब विवाद की सुनवाई

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब विवाद की सुनवाई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा गठित तीन जजों की बेंच करेगी। हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई हुई थी लेकिन एकल न्यायाधीश ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी के पास इस राय के साथ भेज दिया था कि मुख्य न्यायाधीश मामले पर गौर करने के लिए बड़ी पीठ के गठन का फैसला कर सकते है। न्यायमूर्ति दीक्षित ने आदेश में कहा, ''पीठ का यह विचार है कि अंतरिम अर्जियों को भी बड़ी पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए, जिसका गठन मुख्य न्यायाधीश अवस्थी द्वारा किया जा सकता है।'' गौरतलब है कि राज्य के उडुपी जिले के सरकारी महाविद्यालयों में पढ़ने वाली कुछ मुस्लिम लड़कियों ने हिजाब के साथ कक्षाओं में प्रवेश पर रोक के खिलाफ याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति दीक्षित ने कहा, ''ऐसे मुद्दे जिन पर बहस हुई और महत्वपूर्ण सवालों की व्यापकता को देखते हुए अदालत का विचार है कि मुख्य न्यायाधीश को यह तय करना चाहिए कि क्या इस विषय के लिए एक बड़ी पीठ का गठन किया जा सकता है।''न्यायमूर्ति दीक्षित ने आदेश में कहा, ''पीठ का यह भी विचार है कि अंतरिम अर्जियों को भी बड़ी पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए, जिसका गठन मुख्य न्यायाधीश अवस्थी द्वारा किया जा सकता है।''हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने पीठ से अंतरिम आदेश देने का अनुरोध किया क्योंकि परीक्षाएं दो महीने दूर हैं और छात्रों को उनकी शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।इस पर मुस्लिम छात्राओं की ओर से पेश अधिवक्ता देवदत्त कामत ने अनुरोध किया कि लड़कियों को 'उनकी संस्कृति का पालन करने' की अनुमति दी जाए।कर्नाटक के महाधिवक्ता प्रभुलिंग के नवदगी ने अंतरिम राहत देने और छात्राओं को हिजाब पहनकर कॉलेजों में जाने की अनुमति देने का विरोध किया।

हाईकोर्ट का आदेश आने से पहले बुधवार की सुबह कर्नाटक मंत्रिमंडल ने इस मामले पर कोई और निर्णय लेने से पहले हिजाब विवाद पर अदालत के फैसले का इंतजार करने का फैसला किया।

देश गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है कर्नाटक में हिजाब विवाद बढ़ने पर बोले लालू प्रसाद यादव

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब प्रकरण को लेकर बवाल अब देशभर में दिखने लगा है। पांच राज्यों में चुनावी मौसम के बीच हिजाब पहनने को लेकर विवाद अब उग्र रूप ले रहा है। हिजाब विवाद पर आज लगातार दूसरे दिन कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई कर रहा है। इस मसले पर तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं की बयानबाजी से मसला और तूल पकड़ता जा रहा है। मामले में आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कर्नाटक हिजाब विवाद को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश गृहयुद्ध की तरफ बढ़ रहा है। गौरतलब है कि हिजाब विवाद बढ़ता देख प्रदेश सरकार ने तीन दिन के लिए स्कूल- कॉलेज बंद करने के आदेश दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनकर कक्षा में घुसने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में पहले एबीवीपी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया तो अब राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भी टिप्पणियां आने लगी है।

जन हितैषी

भ्रष्टाचार की लत

पिछले सात सालों से केंद्र सरकार हर क्षेत्र से भ्रष्टाचार खत्म करने की बात करती आ रही है, जो जमीनी सच्चाई से दूर दिखता है। सरकार की भ्रष्टाचार खत्म करने और हर क्षेत्र में पारदर्शिता लाने की बात सर्वेक्षणों से मेल नहीं खाती। गौरतलब है कि भारत में पिछले सात सालों में भ्रष्टाचार का सूचकांक कम तो हुआ है, लेकिन इतना नहीं कि उसे बेहतर कहा जा सके। 25 जनवरी, 2022 को ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने 'करप्शन परसेप्शन इंडेक्स' (सीबीआई) 2021 जारी किया, जिसके मुताबिक भ्रष्टाचार में भारत की रैंकिंग में एक स्थान का सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों अपने मन की बात कार्यक्रम में बहुत व्यथित होकर भ्रष्टाचार पर काबू न पाए जा सकने पर चिंता जाहिर की। इसे रोकने के लिए युवाओं को मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। मगर यह कितना फलीभूत हो पाएगा, कहना मुश्किल है। हर साल दुनिया के देशों में भ्रष्टाचार की स्थितियों का आकलन पेश होता है, जिसमें भारत लगातार नीचे के पायदान पर खिसकता नजर आता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि हमारे यहां भ्रष्टाचार जैसे लोगों की रग-रग में व्याप्त हो चुका है, जिसकी सफाई आसान नहीं लगती। स्थिति यह है कि लोगों को अपने ही खाते से अपनी गाढ़ी कमाई की बचत निकालने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। इसका ताजा उदाहरण आंध्र प्रदेश के गुंटूर में कर्मचारी भविष्य निधि के दफ्तर में केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ के औचक छापे से सामने आया है। पता चला कि वहां के कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय के अधिकारी रिश्वत लेकर कर्मचारियों को पैसे निकालने की मंजूरी देते हैं। यह रिश्वत वे पेटीएम, पे-फोन जैसे अपने डिजिटल खातों में डलवाते थे। कोविड महामारी के दौरान जब बहुत सारे लोगों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो गया, बहुत सारे लोगों की नौकरियां चली गईं, तो उन्हें परिवार चलाने, बच्चों की फीस या कर्ज की किस्त भरने के लिए अपने भविष्य निधि खाते से पैसा निकालने के अलावा कोई चारा न था। हालांकि सरकार ने इसके लिए नियम लचीला कर दिया, पर भ्रष्ट अधिकारी अपनी जेब भरने के लोभ में भला कहां नियम-कायदों और दूसरों की मजबूरी समझते हैं। भविष्य निधि खाते में लोग पैसा इसलिए बचा कर रखते हैं कि जब वे नौकरी से अवकाश ग्रहण करेंगे, तो जीवनयापन में मददगार साबित होगा। इसके अलावा, अगर कभी बीच में बच्चों के विवाह, मकान बनाने आदि में पैसे की जरूरत पड़ेगी, तो निकाल सकते हैं। मगर महामारी ने बहुत सारे लोगों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने तक का संकट पैदा कर दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना काल में जिन लोगों ने भविष्य निधि खाते से पैसे निकाले, उनमें से ज्यादातर निम्न आयवर्ग के थे। ऐसे लोगों को उन्हीं का कमाया पैसा निकालने की इजाजत देने में भविष्य निधि दफ्तर के अधिकारियों ने अड़ंगे डाले और रिश्वत लेकर पैसे जारी किए। यों भविष्य निधि खाते से पैसा निकालने को लेकर कुछ नियम-कायदे हैं। वहां से उसी तरह पैसा नहीं निकाल सकते, जिस तरह अपने बैंक खाते से निकाल सकते हैं। दो दृष्टियों से ऐसे नियम बनाए गए हैं। एक तो यह कि कर्मचारी इसे अनावश्यक कार्यों में खर्च कर अपना भविष्य लाचार न बना बैठें और दूसरा यह कि इससे राष्ट्रीय बचत को बल मिलता है। मगर इसके बावजूद कई लोग इन नियमों को तोड़ने का प्रयास करते हैं। भविष्य निधि कार्यालय के कर्मचारी इसी का लाभ उठाते हैं। मगर भ्रष्टाचार की लत केवल उन्हीं लोगों को निशाना नहीं बनाती, जो नियम तोड़ने का प्रयास करते हैं। वह हर किसी को कोई न कोई नुक्ता निकाल कर फांसने का प्रयास करती है। जो वास्तव में ईमानदार है, वह नियमों की किसी भी रूप में न तो अनदेखी करेगा और न किसी को करने देगा। मगर कर्मचारी भविष्य निधि के दफ्तरों में यह रिवाज की तरह चल पड़ा है कि अगर कोई सामान्य आदमी नियम के मुताबिक भी अपना पैसा निकालने जाता है, तो उसे कर्मचारियों, अधिकारियों की तनी हुई भृकुटि का सामना करना ही पड़ता है। जिस गति से तमाम क्षेत्रों में सुधार की बात कही जा रही है, उस गति से भ्रष्टाचार में सुधार नहीं हो रहा है, यह चिंता और चिंतन का विषय जरूर होना चाहिए। गौरतलब है कि दुनिया के भ्रष्ट देशों में दक्षिण सूडान सबसे निचले पायदान पर है और डेनमार्क सबसे बेहतर हालात में है। अमेरिका की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अब भी वह 27वें स्थान पर है। सीपीआई के अनुसार एक सौ इकतीस देशों ने एक दशक में भ्रष्टाचार रोकने में खास तरक्की नहीं की। लेकिन इससे हमें यह नहीं समझ लेना चाहिए कि भारत में भ्रष्टाचार के मामले में कोई बेहतर हालात जल्द बनने वाले हैं। गौरतलब है कि घोटालों के उजागर न होने का मतलब यह नहीं लगाया जा सकता कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और अब आम आदमी को रिश्वत देने से छुटकारा मिल गया है।

स्पष्टवादिता और सत्यनिष्ठा की मिसाल थे गांधी जी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के कई किस्से प्रचलित हैं, जिनसे उनके महान् व्यक्तित्व की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी श्रीमती सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, ''आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?''

इस पर बापू ने जवाब दिया, ''आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?''

गांधी जी एक बार चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, ''यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।''

गांधी जी किसान को बिना कुछ कहे चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, ''धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।''

रोचक बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान न सका। बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया।

बात उन दिनों की है, जब गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा, ''इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके।'' (लेखक- योगेश कुमार

दैनिक पंचांग

10 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.49 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	08.22 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	09.52 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.32 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	13.30 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	15.44 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	18.00 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	20.12 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	22.23 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक	00.37 ब.से
		धनु	02.53 बजे से
		मकर	04.59 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 41 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 11.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 03.32 बजे रात्र को समाप्त।
योग इन्द्र 18.49 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.09 बजे तदनन्तर तैतिल 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 08.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871155
जूलियन दिन 2459620.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 08
विशेष रोहिणी व्रत, महानंदा नवमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत राष्ट्र नही तो क्या है राहुल जी!

(प्रसंगवश)

'भारत एक राष्ट्र नही है'लोकसभा में राहुल गांधी का यह बयान उनकी भारत के प्रति समझ को लेकर उठने वाले सवालों और संदेह को फिर प्रमाणित कर गया। जिस संविधान के हवाले से राहुल ने राष्ट्र के रूप में भारत को खारिज किया है वही संविधान राष्ट्रीय एकता और अखंडता के तमाम प्रावधानों एवं आह्वानों से भरा पड़ा है लेकिन राहुल गांधी को शायद इनकी समझ ही नही है।उनका राजनीतिक दुराग्रह राष्ट्र शब्द को लेकर इतना कलुषित हो चुका है कि वे अब राष्ट्र की अवधारणा को ही मानने के लिए तैयार नही है।संविधान के भाग एक में लिखा है 'भारत अर्थात इंडिया,राज्यों का संघ होगा। राहुल गांधी इस विषय को अमेरिकी संघीय व्यवस्था के साथ जोड़कर राष्ट्र अवधारणा को खारिज करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि अमेरिका में फेडरेशन ऑफ स्टेट के तहत राज्यों ने एक अनुबंध कर संयुक्त राजअमेरिका को बनाया है।वहाँ सभी राज्य सम्प्रभु है लेकिन भारत मे ऐसा नही है डॉ बीआर अंबेडकर ने भारत को 'फेडरेशन ऑफ स्टेटस' के स्थान पर 'यूनियन ऑफ स्टेटस' रखने के दो कारण बताए थे पहला भारत अमेरिकी राज्यों के आपसी एग्रीमेंट का कोई फेडरेशन या संघ नही है ,दूसरा भारत के किसी राज्य देश से अलग होने का अमेरिका की तरह अधिकार नही है।संविधान के जिस भाग का उल्लेख राहुल गांधी कर रहे है उसी संविधान की प्रस्तावना में लिखा है कि ठराष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए ....ठ।प्रस्तावना संविधान की आत्मा है और यहां राष्ट्र शब्द साफ साफ लिखा हुआ है इसलिए राहुल अगर भारत को राष्ट्र नही मानते है तो उन्हें बताना चाहिये कि आखिर इन शब्दों का क्या अर्थ है?भारत अगर राष्ट्र नही है तो उन्हें यह भी बताना चाहिये कि महात्मा गांधी को वे राष्ट्रपिता कैसे स्वीकार करते है?सच्चाई यह है कि भारत राष्ट्र के रूप में एक कालजयी अवधारणा है।अटल जी ने कहा था कि भारत कोई जमीन का टुकड़ा नही है यह एक जीवित राष्ट्र है,हजारों बर्षो से भारत एक राष्ट्र के रूप में सभ्यता की चेतना का स्थाई तत्व रहा है,इतिहास के किसी भी कालखंड में भारत की राष्ट्रीय अवधारणा तिरोहित नही की जा सकी है।जिस संवैधानिक शब्दावली का सहारा लेकर राहुल भारत को राष्ट्र के तौर पर नकार रहे है उसी संविधान को उनकी दादी ने बंधक बनाकर आपातकाल और प्रस्तावना को बदलने के अक्षम्य पाप कारित किये है।इंदिरा जी के तानाशाह आचरण ने संविधान में जिस सेक्युलरिज्म को स्थापित किया है उसकी दूषित उपज आज संसदीय राजनीति में खरपतवार की तरह खड़ी है। सेक्युलरिज्म की इस राजनीति ने राष्ट्र और राष्ट्रवाद के विरुद्ध एक सशक्त वातावरण खड़ा किया जो राष्ट्र की उस एकता और अखंडता को चोट करता रहा है जिसे संविधान ने सबसे पवित्र माना है।संसदीय राजनीति में राष्ट्र की स्वीकार्यता के बढ़ते फलक ने राहुल गांधी को राजनीतिक रूप से विपन्न कर दिया है।ताजा बयान यह भी प्रमाणित करता है कि राहुल के नेतृत्व वाली इस पार्टी के लिए उन सभी शब्दों और आग्रहों से नफरत हो चुकी है जो भाजपा और मोदी से किसी भी तरह से संयुक्त है।राष्ट्र की कालजयी और मृत्युंजयी संस्कृति को नकारने के पीछे राहुल की मानसिकता को राजनीतिक दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता भी है।असल में राष्ट्र शब्द के साथ भारत की संस्कृति का अकाट्य संबंध है और राहुल की पूरी राजनीति संस्कृति के उलट ही रही है वे हिन्दू, हिंदुत्व और हिन्दूवादी को लेकर जिस प्रतिक्रियावादी मानसिकता से बातें करते है उसके मूल को समझने का प्रयास करें तो स्पष्ट होता है कि वे उस राष्ट्र तत्व की मार से पीड़ित है जो पिछले कुछ दशकों में भारत की चुनावी राजनीति में राष्ट्रीयता के तौर पर उभरकर आई है।वस्तुतः राष्ट्र और भारत एक ही है ,जिसे सेक्युलरिज्म औ- तुष्टीकरण की राजनीति ने लंबे समय तक अलग अलग बनाये रखा है।कांग्रेस और राहुल दोनों इस राष्ट्रभाव के आगे लगातार राजनीतिक रूप में पिट रहे है। वे राजनीतिक लाभ के लिए भारत के राष्ट्र स्वरूप को खारिज कर प्रांतवाद और अल्पसंख्यकवाद को जिंदा करना चाह रहे है।लोकसभा में तमिलनाडु,सिक्किम,जम्मू कश्मीर का जिस भाव के साथ उन्होंने जिक्र किया है उसके बहुत ही खतरनाक निहितार्थ है।वे यह सन्देश देने की कोशिश कर रहे है कि राज्यों को केंद्र के प्रति एक अलगाव का रुख अपनाना चाहिए!यह संवैधानिक रूप से भी एक खतरनाक आह्वान है क्योंकि भारत का यूनियन होने का मतलब यह नही है कि कोई राज्य भारत से अलग हो सकता है।जिस भाव से इस बात को उठाया गया है अगर यह प्रांतवाद और अलगाव नही है तो क्या है ?कभी देश की स्वाभाविक शासक

रही कांग्रेस की यह वैचारिक कृपणता भारत के संसदीय लोकतंत्र के लिये भी बड़ा खतरा है।बेहतर हो राजस्थान में हिन्दू होने का दावा करने वाले राहुल अपने दत्तात्रेय ब्राह्मण गोत्र पर अमल करते हुए संस्कृति और भारत को भी समझने की कोशिश करें।वस्तुतः राष्ट्र ही वह अमूर्त चेतना है जो हजारों सालों से भारत की विविधवर्णी संस्कृति को एक इकाई के रूप में जीवित रखती है। सरकार और सत्ता तो आती जाती रहती है अटल जी ने इसी लोकसभा में कहा था कि सरकारें आएंगी जायेंगी लेकिन राष्ट्र बना रहना चाहिये।अपनी अगली विदेश यात्रा में राहुल गांधी किसी अंग्रेजी उपन्यास की जगहठजम्बूदीपे भारतबरषे ...को पढ़ने की कोशिश करेंगे तो उन्हें राष्ट्र और भारत शायद समझ आ जाये। (लेखक- डॉ अजय खेमरिया / ईएमएस)

बदल गए राजनीति के मायने

आज की राजनीति... सत्ता का उदय; सेवा का लोप...

अब भारतीय राजनीति के शब्दकोष से 'सेवा' शब्द का लोप हो गया है, अब राजनीति में 'सत्ता' अहम् हो गई है, और उसे हासिल करने के बाद उसे 'चिरंजीवी' बनाने के अथक प्रयास शुरू कर दिये जाते है। आज की राजनीति के पुरौधा न तो उन्हें सत्ता की कुर्सी तक पहुंचाने वालों की चिंता करते है और न उनकी परेशानियां समझने की कौशिश करता है, एक बार सत्ता प्राप्त होने के बाद उसे सत्ता के सिंहासन तक पहुंचाने वाले कहां है? किस हाल में है? इससे किसी को कोई सरोकार नहीं रहता चार साल बाद जब उन्हें याद आती है कि ''अगले साल चुनाव है'' तब ही उन्हें अपने मतदाताओं की याद आती है और हर तरीके के प्रलोभन से अपनी सत्ता को दीर्घजीवी बनाने के प्रयास शुरू हो जाते है। आम मतदाताओं की आर्थिक परेशानियों व उनके हाथ से दूर होती ''रोटी'' की आजतक चिंता नहीं की गई? क्या आम वोटर की दैनंदिनी जिन्दगी से जुड़े ये मुद्दें चुनावी मुद्दें नहीं बन सकते? आश्चर्य यह कि आज के राजनेता मतदाता भी दैनंदिनी समस्याओं से पूरी तरह वाकिफ है, फिर भी ये समस्याऐं सिर्फ और सिर्फ चुनावी वादों तक ही सीमित रहती है और चुनाव बाद उन्हें विस्मृत कर दिया जाता है।

मुझे याद है आजादी के बाद के राजनेताओं ने आजादी का श्रेय आम जनता को दिया था और करीब तीन दशक तक तत्कालीन राजनेताओं ने अपने मतदाताओं की चिंता भी की थी किंतु उसके बाद याने भारत के इतिहास प्रसिद्ध आपातकाल व उसके बाद इन आधुनिक भाग्यविधाताओं ने आम वोटर को उसके भाग्य पर छोड़ दिया और हर पांच साल में चुनावी मौसम के समय ही मतदाताओं की कभी न पूरे होने वाले वादों के साथ पूछ-परख शुरू की गई जो आज तक भी जारी है।

आश्चर्य की बात यही है कि पिछले पचहत्तर सालों में दुनिया कहां से कहां पहुंच गई, किंतु भारतीय राजनीति आज भी पिछली शताब्दी के पांचवें-छठवें दशक पर ही स्थिर है, वही चुनाव के तरीके, वही सत्ता हथियाने की कौशिशें और फिर सत्ता प्राप्ति के बाद वही मतदाताओं की उपेक्षा? यह सिलसिला यही तक सीमित नहीं है, हमारे देश के मतदाता भी उसी लीक पर चल रहे है, उन्होंने भी समय के अनुसार अपने आपको बदलने और राजनेताओं की सोच को बदलने का प्रयास नहीं किया। ....और अब जो आज की राजनीति में जाति और धर्म का प्रवेश कराया गया है, यह देश तो ठीक यहां के मतदाताओं के लिए किसी 'महामारी' से कम नहीं है। आज जातीय आधार पर चुनावी टिकटें तय होती है, जातीय आधार पर वोट मांगे जाते है और जातीय आधार पर ही सत्ता में मंत्रियों का चयन होता है, आज की राजनीति में जो धर्म का जहर समाहित हो गया है, उससे देश की दशा व दिशा भविष्य में क्या होगी? यह आज हमारी कल्पना से परे है। अब यही चिंता का विषय है कि इस राजनीति की दिशा कब बदलेगी और आर्थिक असमानता व सामाजिक अस्थिरता राजनीति में चिंतन के अहम् मुद्दें कब बनेगें? आज की राजनीति सिर्फ ''दिन में तारे दिखाने'' के प्रयास वाली राजनीति है। आज दावे चाहे कितने ही बढ़-चढ़कर किए जाये किंतु उनकी जड़े कहां है, यह स्वयं दावा करने वाले भी नहीं जानते।

आज की सबसे बड़ी चिंता यह भी है कि आज संसद से लेकर विधानसभाएं आपराधियों से भरी पड़ी है, इस चयन को रोकने में सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग तथा सरकारें सभी अब तक असफल सिद्ध हुए है। आज भी देश की सर्वोच्च से लेकर जिला अदालतों तक सांसदों-विधायकों पर पांच हजार से अधिक गंभीर आपराधिक मामले चल रहे है और ये विधायक-सांसद अपने रूतबे के आधार पर इनके फैसले नहीं होने दे रहे है और ये मामले दिन दूने रात चौगुने बढ़ते जा रहे है। पहले हमारे संविधान में न्यायालय में आपराधिक मामलों के दोषी को चुनाव लड़ना प्रतिबंधित था, किंतु बाद में राजनेताओं ने अपनी सरकार के माध्यम से इसे संशोधित करवाकर इसमें ''न्यायालय से दोषी'' जुड़वा दिया अब न तो कोर्ट से फैसले आ पाते है और न अपराधियों का चुनाव लड़ना बंद हो पा रहा है, इसीलिए आज राज्य विधानसभाओं व संसद के दोनों सदनों में गंभीर अपराधियों (हत्या व बलात्कार के दोषियों) की भरमार हो गई है।

इस प्रकार आज चिंता का अहम विषय यही है कि इस तरह हमारा देश व राजनीति कब तक चलते रहेगें? यह सब हमारे आधुनिक भाग्य विधाताओं पर है, यदि वे इस चलन को रोकने की ठान ले तो यह दूषित चलन रातों-रात ठीक हो सकता है? पर.... गंभीरता से सोचों कि क्या सत्ता की लोलुप राजनीति में यह संभव हो सकेगा? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 10 फरवरी

1495 इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतारा गया.
1763 पेरिस संधि के तहत फ्रांस ने कनाडा ब्रटेन को दे दिया.
1811 रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्जा किया.
1817 ब्रिटेन, प्रसिया, आस्ट्रिया और रूस ने फ्रांस से अपनी फौजें हटाने की घोषणा की.
1828 दक्षिण अमरीकी क्रांतिकारी साइमन बोलिवार कोलंबिया के शासक बने.
1848 फर्डीनांड प्रथम ने नया संविधान लागू किया.
1890 रूसी लेखक बोरिस पेस्टरनाक का जन्म.
1921 काशी विद्यापीठ का उद्घाटन गांधीजी ने किया.
1931 नई दिल्ली का विधिवत उद्घाटन हुआ.
1939 जापानी सैनिकों ने हेनान द्वीप,चीन पर अधिकार कर लिया.
1943 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिशसैनिक ट्यूनिशिया की सीमा पर पहुंचे.
1961 अमरीका ने वेस्टइंडीज में अनेक ठिकानों पर अपना दावा छोड़ा.
1969 पश्चिम बर्लिन यात्रा पर जर्मन प्रतिबंध को अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस ने अस्वीकार कर दिया.
1974 इराक ने सीमा संघर्ष में 70 ईरानी सैनिकों को मारने का दावा किया.
1979 ईटानगर अरूणाचल प्रदेश की राजधानी बनी.
1991 पेरू में हैजे से 51 लोगों की मौत हुई.

बुजुर्गों के नजदीक रहना फायदेमंद

संसार में प्रत्येक वस्तु औषधि हैं इसके सिवाय कुछ नहीं ।आजकल फिर से एकल परिवार के स्थान पर संयुक्त परिवार की प्रथा पर विश्वास और भरोसा होने लगा हैं .पुराने समय मैं संयुक्त परिवार और बड़े परिवार होने से बच्चों का लालन पालन के साथ बौद्धिक विकास कितना हो जाता था पता नहीं चलता था .मानव एक सामाजिक प्राणी हैं .कुछ नौकरी पेशा मैं रहते हैं तो निश्चित अवधि के बाद सेवा निवृत्त होने पर एकाकी जीवन यापन करते हैं कारण उनके द्वारा बच्चों को शिक्षित कर नौकरी में लगाकर घर से बाहर या विदेश भेज या चले जाते हैं और व्यापारी वर्ग ताजिंदगी अपने व्यवसाय मैं व्यस्त रहते हैं .आजकल शिक्षित होने पर अलग थलग रहना पसंद करते हैं पर यहाँ इस बात को समझना भी जरुरी हैं की दोनों के व्यस्त होने पर उनकी संतानों का लालन पालन की जिम्मेदारी को अच्छे से उठा सकता हैं ?

दादा-दादी और नाना-नानी के साथ बिताया हुआ समय हर बच्चे के लिए खास होता है। इस समय को वह उम्रभर नहीं भूल पाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि साथ में बिताए गए इस समय का लम्बे समय तक में काफी सकारात्मक असर होता है।

माता-पिता बनने के बाद जब लोग दादा-दादी और नाना-नानी बन जाते हैं, तो बच्चों को लेकर उनका लाड और भी ज्यादा बढ़ जाता है। अक्सर देखा जाता है कि दादा-दादी या नाना-नानी से मिलने की बात से ही बच्चा भी चहक सा जाता है और उसकी खुशी ही बताती है कि उसके लिए उसके दादा-दादी और नाना-नानी कितने मायने रखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके माता पिता की बच्चों से नजदीकी उन्हें ज्यादा खुश रखने के साथ ही उनकी उम्र को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है?

यााददाश्त तेज करने में मदद

साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया में हुई एक स्टडी में सामने आया था कि जो दादा-दादीसप्ताह में कम से कम एक बार अपने नाती नातिन के साथ समय बिताते हैं, उन्हें अल्जाइमर का खतरा कम होता है। साथ ही में यह याद्दाश्त को बरकरार रखने में भी मदद करता है। दरअसल, बच्चों के साथ खेलने के दौरान उनके द्वारा पूछे जाने वाले सवालों के कारण दादा-दादीचीजें याद रखने की कोशिश करते हैं, इससे उन्हें याददाश्त बढ़ने में मदद मिलती है।

भावनातमकस्वास्थ्य

बच्चों के साथ खेलने या उनको देखकर ही मिलने वाली खुशी दादा-दादीको भावनातमक जुड़ाव स्वस्थ्य रहने में मदद करती है। बढ़ती उम्र के कारण लोगों से होती दूरी और बच्चों के व्यस्त शेडयूल के कारण माता-पिता को अकेलापन महसूस होने लगता है, जो उन्हें डिप्रेशन का शिकार भी बना सकता है। वहीं अगर वे अपने ग्रैंडकिड्स के साथ रहें, तो उन्हें इस दूरी का उतना पता नहीं चलता है।

बढ़ती है उम्र

ऐवोलुशन एंड ह्यूमन बिहेवियर जर्नल में पब्लिश स्टडी के लिए की गई रिसर्च में सामने आया था कि जो दादा-दादी अपने नाती नातिन के साथ समय बिताते हैं, वे उन लोगों को मुकाबले ज्यादा जीते हैं, जो अपने पोते-पोती या नाती-नातिन के साथ समय नहीं बिता पाते। हालांकि, इसी अध्ययन में इस बात पर भी जोर दिया गया था कि दादा-दादी पर नाती नातिनको संभालने के लिए जोर नहीं डालना चाहिए, नहीं तो यहसुखमय समयउनके लिए तनाव की वजह बन सकता है।

अपने माँ बाप के माता-पिता के साथ समय बिताना बच्चों के लिए भी अच्छा होता है। बोस्टन यूनिवर्सिटी द्वारा करवाई गई अध्ययन में सामने आया था कि दादा-दादी के साथ समय बिताने वाले बच्चे इमोशनलीभावनातमक ज्यादा स्थायी होते हैं। साथ ही यह उन्हें ज्यादा समझदार व बेहतर स्पीकर बनने में भी मदद करता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि दादा-दादी या नाना-नानी के साथ समय बिताने वाले बच्चों में डिप्रेशन होने की आशंका भी कम रहती है।

वृद्ध हुए दादा दादी या नाना नानी अनुभव के खजाना होते हैं और वृद्धावस्था मैं अधिकतर निस्प्रह होकर लालन पालन के साथ देखरेख कर ज्ञान देकर उनको बौद्धिक विकास मैं सहायक होते हैं .साथ ही वे अपने अनुभवों को बाटना चाहते हैं पर युवा वर्ग उनको नजरअंदाज कर कभी कभी त्रिस्कृत करते हैं जबकि उनका भाव सबके प्रति नरम होता हैं .

कहावत भी हैं की मूल से ज्यादा ब्याज प्यारा होता हैं .

हम बहुत ही पुण्यशाली हैं
जिन्हे मिले दादा दादी नाना नानी
जब आज एक दो संतान से
सम्बन्ध सिमटते जा रहे
आने वाले वक्त मैं
कौन किसी चाचा बुआ मौसी मामी कहेगा
दादा दादी नाना नानी तो होंगे
कोई हो या न हो
इन्हे अपनी विरासत समझो
जब तक रहे वे जीवित

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7193

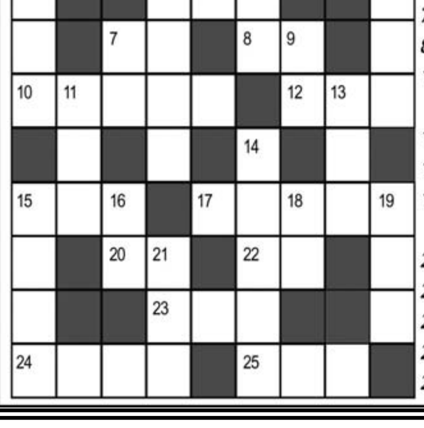

बाएँ से दाएँ
1.अभिप्राय,अभिव्यक्ति-3
3.सादापन,भोलापन-4
6.अवश्य-3
7.कांच का मर्तबान-2
8.पानी से सराबोर-2
10.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12.उद्धार,उत्कृष्ट-3
15.माला का मोती-3
17.सेवक,रोगी की देखभाल करने वाला-5
20.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22.चलने का ढ़ंग-2
23.गर्भ-3
24.निम्न,निकृष्ट-4
25.कथा,गाथा-3

ऊपर से नीचे
2.कमरे में बंद करना-5
3.ईमान,नियत-3
4.क्षारीय-4
5.दीदार-3
7.आशिक,यार-2
9.एक विदेशी मदिरा-2
11.लीन,व्यस्त,मशगूल-3
13.उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15.मतवाला,उन्मादी-4
16.चाचा,अंकल-2
18.पैंतरा,वेग-2
19.काफी,कोको -3
21.गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -7192 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टी20 मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम हारी

क्वींसटाउन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को यहां हुए एकमात्र टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान न्यूजीलैंड टीम ने 18 रनों से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज का फैसला किया। दीप्ति शर्मा और पूजा वस्त्राकर ने दो दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 155 रनों पर ही रोक दिया। कप्तान सोफी डेवाइन ने 23 गेंद में 31 और सूजी बेट्स ने 34 गेंद में 36 रन बनाये। दोनों ने पहले विकेट के लिये 60 रन जोड़े। इसके बाद जीत के लिये 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम आठ विकेट पर 137 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार उसे 18 रन से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना इस मैच में नहीं उतरी थीं ऐसे में पारी की शुरूआत करने उतरी यस्तिका भाटिया ने 26 गेंद में 26 रन बनाये। यस्तिका और शेफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिये 4.1 ओवर में 41 रन बनाये। शेफाली 14 गेंद में 13 रन ही बना पाय जबकि हरमनप्रीत भी 12 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन एस मेघना ने बनाये। मेघना ने 30 गेंद में छह चौकों की मदद से 37 रन की पारी खेली और रिचा घोष 12 के साथ चौथे विकेट के लिये 34 रन बनाये। मेघना के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी ढह गई। भारतीय टीम को 5.1 ओवर में 55 रन बनाने और निचले क्रम के लिये यह संभव नहीं था। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर, एमेलिया केर और केली जेनसेन ने दो दो विकेट लिये। भारत की ओर से पूजा ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 16 रन ही दिये जबकि दीप्ति ने 26 रन दिये। स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने चार ओवर में 39 रन देकर एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा रद्द

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए मार्च में होने वाला न्यूजीलैंड दौरा रद्द कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि इस बारे में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड से हुई आपसी बातचीत के बाद सहमति से यह फैसला लिया गया है। इससे पहले न्यूजीलैंड प्रशासन ने कहा था कि उनके पास ऑस्ट्रेलियाई टीम के क्वारंटीन प्रबंधन के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। इसके बाद दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड ने आपसी सहमति से इस दौरे को रद्द कर दिया। तीन मैचों की यह टी-20 सीरीज मार्च में नेपियर में खेली जानी थी। इससे पहले यह दौरा इसी आधार पर तय हुआ था कि न्यूजीलैंड सरकार अपने पड़ोसी देश ऑस्ट्रेलिया के नागरिकों के लिए क्वारंटीन नियमों में कुछ राहत देगी पर ऐसा हुआ नहीं। इसी कारण से सीए ने इससे पहले चार सीमित ओवर के मैचों को भी रद्द कर दिया था , यह 30 जनवरी में होने थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि सीमा प्रतिबंधों के कारण यह दौरा रद्द करना पड़ा है। वहीं जब हमने यह दौरा निर्धारित किया था तब हमें उम्मीद थी कि शर्तें पूरा करने वाले लोगों के लिए ट्रांस-तस्मान बॉडर्र खुल जाएंगे पर ओमिक्रॉन वैरिएंट आने से हालात बदल गये। इसलिए अब यह दौरा संभव नहीं हुआ है हालांकि यह बहुत निराशाजनक है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे और आईसीसी महिला विश्व कप 2022 पर हालांकि इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड में ही होना है।

ऋषभ और राहुल ने बनाये रिकार्ड

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ओर लोकेश राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अहम रिकार्ड बनाये हैं। ऋषभ ने जहां अपने 3 हजार रन पूरे किये , वहीं राहुल ने अपने 6 हजार रन पूरे किये।

इस मैच में ऋषभ सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे थे। उन्होंने अपनी 18 रन की पारी के दौरान ही क्रिकेट करियर में 3 हजार रन पूरे किये। ऋषभ ने इस मैच में 34 गेंदों पर 3 चौकों की सहायता से 18 रन बनाये। वह ओडेन स्मिथ की गेंद पर आउट हुए।

वहीं इस मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने शुरूआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभाला। राहुल ने रन आउट होने के पहले 48 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्के की मदद से 49 रन बनाए। इस पारी के साथ ही राहुल ने अपने करियर में 6 हजार रन पूरे किये हैं।

आईपीएल नीलामी में शामिल नहीं हो पायेंगे अंडर 19 टीम के आठ खिलाड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व कप विजेता भारतीय अंडर-19 टीम के आठ खिलाड़ी आईपीएल के 15 वें सत्र में होने वाली नीलामी में भाग नहीं ले पायेंगे। आईपीएल 2022 सत्र के लिए नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होनी है पर अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले 8 खिलाड़ी एक विशेष नियम के कारण आईपीएल के इस सत्र में नहीं खेल पायेंगे। आईपीएल खेलने के लिए किसी भी खिलाड़ी को कम से कम एक फर्स्ट क्लास मैच या एक लिस्ट-ए मैच का अनुभव अनिवार्य है। अगर वे ऐसा नहीं कर सके हैं तो उनकी उम्र नीलामी की तारीख से पहले 19 साल होनी चाहिए पर टीम के 8 खिलाड़ी इन दोनों पैमानों को पूरा नहीं करते हैं। इस कारण उप-कप्तान शेख रशीद सहित 8 खिलाड़ी नीलामी से बाहर हैं। वहीं बीसीसीआई से विशेष नियम के तहत इन्हें शामिल करने की मांग की जा रही है।

शेख रखीद के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश बाना, तेज गेंदबाज रवि कुमार, निशांत सिंधु, सिद्धार्थ यादव, अंगकृष रघुवंशी, मानव पारेख और गर्व सांगवान भी इन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं।

रणजी ट्रॉफी के मुकाबले 17 फरवरी से शुरू हो रहे हैं। ऐसे में अगर इन खिलाड़ियों को उनकी राज्य की टीमों में जगह मिल भी मिल जाती है, तो भी वे आईपीएल नीलामी के लिए योग्या नहीं होंगे, क्योंकि नीलामी उससे पहले 12 और 13 फरवरी को होनी है। नीलामी में 228 कैप्ड, 355 अनकैप्ड और 7 एसोसिएट देश के खिलाड़ी शामिल हैं।

पीटरसन , ब्रेविस आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामांकित

महिला वर्ग से डिएंड्रा अटापट्टू शामिल

दुबई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज कीगन पीटरसन और अंडर 19 विश्व कप के स्टार खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस के साथ ही बांग्लादेश के इबादत हुसैन को जनवरी महीने में शानदार प्रदर्शन के लिए पुरुष वर्ग से आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। पीटरसन को भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। ब्रेविस ने अंडर 19 विश्व कप की छह पारियों में 84.33 की औसत से 506 रन बनाने के साथ ही सात विकेट भी लिए थे। वहीं पीटरसन ने भारत के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 244 रन बनाए थे जबकि ब्रेविस ने वेस्टइंडीज में अंडर 19 विश्व कप में दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए थे। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुने गए थे। वहीं बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हुसैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में दो टेस्ट खेले और 9 विकेट लिए। उन्होंने पहले टेस्ट में 46 रन देकर 6 विकेट लिए जिसकी सहायता से बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड में पहली बार टेस्ट जीता। दूसरी ओर महिला वर्ग में श्रीलंकाई क्रिकेटर चामारी अटापट्टू, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन और इंग्लैंड की हीथर नाइट को नामांकन किया गया है।

आईपीएल की नई टीम अहमदाबाद , गुजरात टाइटन्स के नाम से उतरेगी

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहली बार शामिल होने पा रही नई टीम अहमदाबाद गुजरात टाइटन्स के नाम से मैदान में उतरेगी। आईपीएल नीलामी से ठीक पहले इसके नाम की आधिकारिक घोषणा की गयी है।

गुजरात टाइटन्स की कप्तानी हार्दिक पंडया करेंगे। सीवीसी ग्रुप की टीम अहमदाबाद ने हार्दिक पंडया के अलावा राशिद खान और शुभमन गिल को भी इसके लिए नीलामी में शामिल किया है।

वहीं टीम के सह-मालिक सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि गुजरात टाइटन्स को लेकर हमने काफी रिसर्च की। हमने इसके लिए एक एजेंसी से भी संपर्क किया था। हम ऐसा नाम रखना चाहते थे जिससे पूरे गुजरात की छवि को आगे किया जा सके। इस टीम के कप्तान हार्दिक ने कहा कि मेरा परिवार गुजरात से है, सभी लोग गुजरात में रहते हैं। जब सभी को पता लगा कि मैं गुजरात टीम की कप्तानी कर रहा हूं, तो उनकी आंखों में गर्व नजर आता है।

गुजरात टाइटन्स की टीम ने हार्दिक पंडया को 15 करोड़, राशिद खान को 15 करोड़ और शुभमन गिल को 8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है हालांकि टीम के पास अभी भी 52 करोड़ रुपये बचे हुए हैं जिसका इस्तेमाल नीलामी में किया जाएगा। गुजरात टाइटन्स के साथ टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आशीष नेहरा भी कोच के तौर पर जुड़े हैं, जबकि टीम इंडिया को विश्वकप जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन मेंटर के तौर पर टीम के साथ रहेंगे। विक्रम सोलंकी टीम को टीम डायरेक्टर बनाया गया है। गौरतलब है कि गुजरात टाइटन्स को सीवीसी कैपिटल ग्रुप ने 5665 करोड़ रुपये में खरीदा था।

राज्यसभा में पाकिस्तान जेलों में बंद भारतीय मछुआरों को लाने अफगान बटालियन बनाने की मांग उठी

(नई दिल्ली)

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीय मछुआरों की सुरक्षित स्वदेश वापसी, गोरखा बटालियन की तरह अफगान बटालियन बनाने, न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने और संसद में सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का तैल चित्र लगाने की मांग की। साथ ही सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा छात्रवृत्तियों में लगातार की जा रही कटौतियों, केरल में वन्य जीवों द्वारा नागरिकों के जान व माल को नुकसान पहुंचाने और करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद गंगा नदी की स्वच्छता और निर्मलता में कोई सुधार ना होने का दावा करते हुए इन विषयों पर चिंता भी जताई। शून्यकाल में कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने गुजरात के तटीय इलाकों में भारतीय मछुआरों को पाकिस्तान की नौसेना द्वारा उठाकर ले जाने और वहां की जेलों में बंद करने का मामला उठाया और केंद्र सरकार से उन्हें वापस भारत लाने के लिए उपयुक्त कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा, ''करीब 643 भारतीय मछुआरे इस समय पाकिस्तान की जेलों में कैद हैं।'' गोहिल ने भारत सरकार से इन मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने के लिए कूटनीतिक स्तर पर सभी प्रकार के प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा, ''चाहे आंखें लाल ही क्यों ना करनी पड़ी, मछुआरों की सलामती के लिए सरकार प्राथमिकता से पहल करे।'' गोहिल ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में तीन अलग-अलग घटनाओं में पाकिस्तानी समुद्री सेना ने तीन नौकों और 27 मछुआरों को अपनी गिरफ्त में लिया है जबकि एक दिन पहले ही वह 10 नौकाओं और 60 मछुआरों को लेकर गए हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पी विल्सन ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 65 वर्ष और उच्चतम न्यायालय के न्यायधीशों 65 से बढ़ाकर 70 वर्ष किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि 1963 के बाद से न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र में वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने तर्क दिया कि 90 से अधिक की उम्र में भी कई सेवानिवृत्त न्यायाधीश विभिन्न पदों पर प्रभावी भूमिका निभा रहे भारतीय जनता पार्टी की सीमा द्विवेदी ने सुर साम्रज्ञी लता मंगेशकर की उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा देते हुए सरकार से उनका तैल चित्र संसद भवन में लगाने की मांग की। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वी शिवादासन ने छात्रों को मिलने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों में यूजीसी द्वारा की जा रही लगातार कटौतियों का मुद्दा उठाया और सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की।

हिजाब विवाद : बेंगलुरु में लगी धारा 144, अब बड़ी बेंच में होगी सुनवाई

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में स्कूल और कॉलेजों में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर जारी विवाद का हल बुधवार को भी नहीं निकला है।कर्नाटक हाईकोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन मामले की सुनवाई हुई, लेकिन कोई फैसला नहीं आया। जस्टिस कृष्णा दीक्षित की अदालत ने मामले को बड़ी बेंच के समक्ष भेजने का फैसला लिया है। केस की सुनवाई कर रही बेंच ने कहा कि मामले को बड़ी बेंच के समक्ष भेजा जाना चाहिए। हालांकि दोनों पक्षों ने कहा कि मामले को भले ही ऊपर भेजा जाए, लेकिन मामले का जल्दी ही हल निकलना चाहिए। इस बीच कर्नाटक में उडुपी, शिमोगा, बेंगलुरु सहित सभी शहरों में शांति बनी रही।

बेंगलुरु प्रशासन ने छात्रों और छात्राओं से कहा है, कि वे स्कूल और कॉलेज के आसपास आंदोलन नहीं कर सकते। हिजाब पहनने वाली छात्राओं का पक्ष रखने वाले वकील ने कहा कि उन्हें अपने मजहब का पालन करने दिया जाए। हिजाब पर विवाद खड़ा करके उन्हें शिक्षा के अधिकार से वंचित करने का प्रयास हो रहा है। वहीं कर्नाटक सरकार के अटॉर्नी जनरल ने इसका विरोध कर कहा कि स्कूलों और कॉलेजों को नियमों को लेकर स्वायत्ता है। उन्होंने कहा कि हर संस्थान को स्वायत्ता दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूलों में यूनिफॉर्म को लेकर फैसला नहीं ले सकती है।

छात्राओं का पक्ष रखने वाले वकील ने कहा कि जब तक हाईकोर्ट मसले पर निर्णय नहीं ले लेता है, तब तक के लिए उन्हें हिजाब पहनने के लिए अंतरिम दे। इसका विरोध करते हुए अटॉर्नी जनरल ने कहा कि हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस बीच कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु शहर में किसी भी स्कूल, कॉलेज अथवा अन्य शिक्षण संस्थान के 200 मीटर के दायरे में कोई प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। प्रशासन ने प्रदर्शनों पर रोक के लिए धारा 144 लागू की है। कर्नाटक पुलिस ने बताया कि यह फैसला अगले सप्ताह तक लागू रहेगा।

राहुल और ममता अपनी परंपरागत सीट से हारे, करहल सीट अखिलेश के लिए सुरक्षित नहीं : बघेल

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश का चुनाव काफी दिलचस्प होता जा रहा है। 10 तारीख को पहले चरण का मतदान होना है।इस बीच सबकी निगाहें करहल सीट पर भी लगी हुई है। हालांकि करहल सीट पर तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होना है। करहल सीट मैनपुरी जिले में आती है, जो कि मुलायम सिंह यादव और समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। करहल से समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव चुनावी मैदान में हैं। करहल को यादव बहुल सीट कहा जाता है। भाजपा ने भी सीट पर मजबूत उम्मीदवार उतारकर इस बात को दिखा दिया कि वह अखिलेश को इतनी आसानी से जीतने नहीं देगी। भाजपा ने करहल से केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल को चुनावी मैदान में उतारा है। करहल सीट पर एसपी बघेल ने भी अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।इस बीच एसपी बघेल ने फिर से अखिलेश के खिलाफ हुंकार भरी है।

बघेल ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी क्षेत्र को किसी का गढ़ नहीं कह सकते हैं, क्योंकि दुनिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को अपने-अपने तथाकथित किलों में हारते देखा है। उन्होंने दावा किया कि करहल सीट से विधानसभा चुनाव का मुकाबला एकतरफा नहीं है, क्योंकि क्षेत्र का दौरा करने पर पता लगता है कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की लहर चल रही है। सपा संस्थापक मुलायम से राजनीति का ककहरा सीखने वाले बघेल ने अखिलेश को आजमगढ़ की किसी सीट से अपनी किस्मत आजमाने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, आपने राहुल गांधी को अमेठी से और ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल से हारते हुए देखा है। इसके अलावा डिंपल फिरोजाबाद और कन्नौज से हार चुकी हैं और 2019 के लोकसभा चुनाव में अक्षय यादव फिरोजाबाद से और धर्मेंद्र यादव बदायूं से पराजित हो चुके हैं।''

गौरतलब है कि राहुल गांधी को वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नेहरू-गांधी परिवार की परंपरागत सीट मानी जाने वाली अमेठी से स्मृति ईरानी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा ममता बनर्जी पिछले विधानसभा चुनाव में बंगाल की नंदीग्राम सीट से पराजित हो गई थीं। करहल से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर सपा प्रमुख अखिलेश को चुनौती दे रहे बघेल 31 जनवरी को नामांकन के बाद से भाजपा नेता गोविंद भदौरिया के घिरोर स्थित मकान में रह रहे हैं। वहां उन्होंने अपना चुनाव कार्यालय भी बनाया है। वह अपने प्रचार के लिए सुबह निकल जाते हैं और शाम तक लोगों से संपर्क करते हैं। बघेल का कहना है कि उनका चुनाव प्रचार बहुत अच्छा चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश की पार्टी का कोई व्यक्ति उन्हें ईमानदारी से हालात के बारे में बताए,तब सपा अध्यक्ष को आजमगढ़ की किसी सीट से भी नामांकन दाखिल कर देना चाहिए। बघेल ने दावा किया कि उनकी पार्टी (सपा) का कोई भी आदमी यह नहीं कह सकता कि करहल से उनकी जीत पक्की है।कभी सपा संस्थापक मुलायम के सुरक्षाकर्मी रहे पूर्व पुलिस उप निरीक्षक बघेल ने कहा कि अगर सपा अध्यक्ष को लगता है कि करहल से मुकाबला एकतरफा है,तब वह अपने परिवार के सदस्यों को यहां चुनाव प्रचार के लिए क्यों भेज रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि करहल में उनके कार्यक्रमों में उमड़ रही भीड़ और मतदाताओं के मिजाज को समझा जा सकता है और इससे पता चलता है कि यहां भाजपा की लहर चल रही है, उनके चुनाव में उतरने के बाद लोगों के सामने विकल्प की कमी नहीं है।

मॉस्को और बीजिंग एक साथ आकर यूक्रेन और ताइवान के मामले पर अमेरिका को दिख रहे आंख

मास्को (ईएमएस)। चीन और रूस की दोस्ती जगजाहिर है। मॉस्को और बीजिंग के बीच कई मामलों पर मतभेद हैं, लेकिन दोनों देश के बीच कई मामलों में बहुत याराना हैं। जब यूक्रेन को लेकर अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रहा है,तब रूस और चीन के बीच दोस्ती और गहरी होती दिख रही है।

श्याम शरण भारत के विदेश सचिव रहे हैं,जिन्होंने चीन और रूस की दोस्ती को लेकर अपनी बात दी लेख में लिखी है।उन्होंने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वादों के बावजूद यूक्रेन पर सैन्य हमले का खतरा बना हुआ है। रूस का मकसद कीव में रूसी समर्थक सरकार भी हो सकता है। इससे पहले रूस ने यूक्रेन को नाटो सदस्य नहीं बनाने की गारंटी मांगी है। उन्होंने कहा है कि अगर गौर करे,तब ताइवान और चीन के बीच भी इसतरह के हालात हैं। 2027 से पहले चीन ताइवान पर हमला कर सकता है।बीजिंग के पास क्षेत्र में अमेरिका को हारने के लिए पर्याप्त क्षमताएं हैं। चीन यूक्रेन मसले पर रूस को और रूस ताइवान मसले पर चीन को सपोर्ट करता है।

बीजिंग में विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी पहुंचे थे। यहां दोनों देशों की दोस्ती दुनिया ने देखी। मॉस्को ने कहा है कि वह ताइवान पर बीजिंग के रुख का पूरी तरह से समर्थन करता है और किसी भी रूप में ताइवान की आजादी का विरोध करता है। वहीं चीन ने कहा है कि वह यूरोप में कानूनी रूप से बाध्यकारी सुरक्षा गारंटी बनाने के रूस के प्रस्तावों का समर्थन करता है। रूस और चीन ने अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के और विस्तार का विरोध किया है। रूस ने ताइवान को लेकर कहा है कि रूस एक-चीन सिद्धांत को मानता है और ताइवान चीन का एक अविभाज्य हिस्सा है। मॉस्को ताइवान की आजादी के किसी भी रूप का विरोध करता है।

भारत को चीन पॉलिसी पर सोचना चाहिए?

श्याम शरण ने कहा है कि रूस और चीन को लगता है कि मौजूदा जियोपॉलिटिकल हालात उन्हें अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पश्चिमी प्रभुत्व को कमजोर करने और अपने स्वयं के हितों के अनुरूप इस फिर से आकार देने का अवसर प्रदान करता है। अगर यूक्रेन में रूसी और ताइवान में चीनी अपने 'मूल हितों' पर जोर देने में सफल हो जाते हैं,तब भारत और अमेरिका की विश्वसनीयता गंभीर रूप से कम होगी। क्वाड जैसे ग्रुप पर भी सवाल उठेगा।इसके बाद भारत को चीन के प्रभुत्व वाले एशिया को वास्तविकता बनने से रोकने के लिए अन्य तरीकों के बारे में सोचना पड़ सकता है।

नाथन और एलीना ने शीतवैलीन ओलंपिवै में स्वर्ण जीते

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिवैा वै नाथन गीन ने ाहां शीतवैलीन ओलंपिवै वीं पिगर स्केटिंग स्पर्धा में विशा रिवैार्ड बनाने हुए स्वर्ण पदवै जीता। गीन ने शॉर्ट पत्नोगत्नाम स्पर्धा में 113.97 अंवै हासिल वैरने वै साथ ही स्वर्ण पदवै पर वैब्जा विाा। वहीं महिलाओं वीं फ्रीस्टाइल स्वैाइंग वीं बिग एार स्पर्धा में गीन वीं ही इलीना गू सबसे वैम उमत्न में स्वर्ण पदवै जीतने वाली खिलामडी बन गाी हैं। इलीना ने 18 साल वीं उमत्न में ाह पदवै जीता है। इलीना ने अंतरराओ्रीा स्तर पर 2018-19 में अमेरिवैा वीं ओर से खेला है। वहीं आईस हॉवीं में वैनाडा ने गत गीम्पिान अमेरिवैा वीं 4-2 से हराा।

ईयू ने आतंकवाद-निरोधी कानून में बदलाव के श्रीलंका के कदम का स्वागत किया

कोलंबो (ईएमएस)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने आतंकवाद-निरोधी कानून में संशोधन करने के श्रीलंका के कदम का स्वागत किया है लेकिन साथ ही कहा है कि श्रीलंका सरकार की अधिसूचना में कई 'अहम तत्वों' को शामिल नहीं किया गया है। ईयू ने कोलंबो से बिना आरोप तय किए कानून के तहत हिरासत में रखे गए लोगों को जमानत पर रिहा करने के लिए अधिक व्यावहारिक और प्रशासनिक कदम उठाने का आग्रह भी किया है।

यूरोपीय संघ श्रीलंका पर उसके विवादित आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) में बदलाव करने का दबाव बना रहा है, जो व्यक्ति को बिना आरोप तय किए 90 दिनों तक हिरासत में रखने का अधिकार देता है और जिसमें हिरासत अवधि को बढ़ाने के प्रावधान भी मौजूद हैं। श्रीलंका सरकार ने 27 जनवरी को एक गजट अधिसूचना जारी कर पीटीए में संशोधन की घोषणा की थी। तब अधिकारियों ने इसे पीटीए को अंतरराष्ट्रीय मानक के आतंकवाद निरोधक कानूनों के अनुरूप बनाने की कवायद करार दिया था।

ब्रसेल्स में मंगलवार को ईयू-श्रीलंका के संयुक्त आयोग की 24वीं बैठक के समापन के बाद मीडिया के लिए जारी साझा बयान में कहा गया है, 'यूरोपीय संघ आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) में संशोधन के श्रीलंका सरकार के फैसले का स्वागत करता है। लेकिन, ईयू ने गौर किया है कि संशोधित विधेयक में कई अहम तत्वों को शामिल नहीं किया गया है।' बयान के मुताबिक, 'यूरोपीय संघ श्रीलंका से पीटीए के इस्तेमाल में कमी जारी रखने का अनुरोध करता है। वह कोलंबो से बिना आरोप तय किए पीटीए के तहत हिरासत में रखे गए लोगों को जमानत पर रिहा करने के लिए अधिक व्यावहारिक और प्रशासनिक कदम उठाने का आग्रह करता है।

हिन्द-प्रशांत बैठक से पहले ऑस्ट्रेलिया पहुंचे ब्लिंकन, क्वाड विदेश मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा हिन्द-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर बातचीत करने के लिए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन बुधवार को मेलबोर्न पहुंचे। गौरतलब है कि यूक्रेन में रूसी घुसपैठ को लेकर पैदा हुए माहौल के बीच ऑस्ट्रेलिया में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की यह बैठक हो रही है। ब्लिंकन बुधवार को मेलबर्न पहुंचे। यहां उनकी मुलाकात ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मारीस पायने के अलावा 'क्वाड' के अन्य सदस्यों भारत और जापान के विदेश मंत्रियों से भी होनी है। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के चार लोकतंत्रों (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान) के बीच यह चौथी मंत्रिस्तरीय बैठक है। क्वाड का लक्ष्य क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना है। गौरतलब है कि ब्लिंकन ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर आने वाले बाइडन प्रशासन के वरिष्ठतम सदस्य हैं। गौरतलब है कि यूक्रेन को लेकर वाशिंगटन और मॉस्को के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक हो रही है। पायने ने कहा कि इस बैठक चीन के लिए संदेश है कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है।

एक करोड़ से ज्यादा किशोरों को लगी दोनों डोज : केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी के खतरे के बीच एक राहत बड़ी खबर सामने आई है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने जानकारी दी कि एक करोड़ से ज्यादा 15 से 18 आयुवर्ग के लोगों को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। इस बीच पिछले 24 घंटे में कोरोना के 71 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए थे। आज सुबह स्वास्थ्य विभाग ने मामले में जानकारी दी थी कि देश में रिकवरी रेट 96.70 प्रतिशत हो गया है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि 15-18 आयु वर्ग के एक करोड़ से अधिक युवाओं को अब तक कोरोना की दोनों डोज लग चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इसे देश के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया। गौरतलब है कि बीती 3 जनवरी को देश में 15 से 18 वर्ष के आयुवर्ग के लोगों को वैक्सीन की खुराक लगनी शुरू हुई थी। मात्र 36 दिनों में इस आयु वर्ग के 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना के दोनों टीके लग चुके हैं। मंडाविया ने जानकारी दी कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण का अभियान जारी है और इसी रफ्तार से जारी रहेगा। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 71 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए, जबकि कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या एक लाख 71 हजार से ज्यादा रही। देश में रिकवरी रेट 96.70 प्रतिशत हो गया है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह बढ़त वाहन, धातु तथा बैंक शेयरों में भारी लिवाली (खरीददारी) से आई है। बाजार जानकारों के अनुसार दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 657.39 अंक करीब 1.14 फीसदी की बढ़त के साथ ही 58,465.97 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 197.05 अंक तकरीबन 1.14 फीसदी बढ़कर 17,463.80 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति के शेयर में सबसे ज्यादा चार फीसदी से अधिक की बढ़त आई है। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, टाइटन, विप्रो और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, आईटीसी और पावर ग्रिड के शेयर गिरे हैं। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 1,967.89 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

प्रतिबंधों के प्रयोग को लेकर अमेरिका और रूस के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में तनातनी

जेनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के इस्तेमाल करने को लेकर अमेरिका एवं उसके सहयोगियों और रूस एवं चीन के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान तनातनी देखने में आई। परिषद के अध्यक्ष रूस की मेजबानी में प्रतिबंध संबंधी सामान्य मामलेः उनके मानवीय और अनपेक्षित परिणामों को रोकना विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस आयोजित की गई, जिसमें रूस ने अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों एवं समूहों द्वारा लागू किए गए एकतरफा प्रतिबंधों की निंदा की।

संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक प्रमुख रोजमेरी ए डिकार्लो ने परिषद से कहा कि 14 संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध व्यवस्थाएं हैंः उदाहरणार्थ वे लीबिया, माली, दक्षिण सूडान और यमन में संघर्ष के समाधान को सहयोग देती हैं, गिनी बिसाऊ में उनका उद्देश्य सरकार के असंवैधानिक परिवर्तनों को रोकना है, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कांगो और सोमालिया में वे प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन पर अंकुश लगाती हैं, उत्तर कोरिया में उनका मकसद हथियारों के प्रसार पर रोक लगाना है और वे इस्लामिक स्टेट और अलकायदा के आतंकवादी खतरों पर रोक लगाती हैं।

डिकार्लो ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों में 1990 के दशक के बाद से कई बदलाव लाए गए हैं, ताकि इनके आम नागरिकों और तीसरे देशों पर न्यूनतम प्रतिकूल प्रभाव पड़े और सुरक्षा परिषद की अधिकतर प्रतिबंध व्यवस्थाओं में मानवीय छूट को शामिल किया गया है और यह छूट मुहैया कराई गई है। संयुक्त राष्ट्र में बैठक की अध्यक्षता कर रहे रूस के उपराजदूत दमित्री पोलियांस्की ने कहा कई प्रतिबंध व्यवस्थाएं राष्ट्र निर्माण और आर्थिक विकास की योजनाओं में हस्तक्षेप करती हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद को उन्हें हटाने के लिए अधिक यथार्थवादी मापदंड तय करने चाहिए, ताकि उन्हें हटवाना कोई असंभव मिशन नहीं बन जाएं।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा प्रतिबंध एक ऐसा कारगर तरीका है, जिसके कारण आतंकवादियों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों के जरिए धन एकत्र करना मुश्किल हो जाता है और उसने उत्तर कोरिया के परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों की कुछ क्षमताओं के विकास की गति को धीमा किया है। ब्रिटेन के उप राजदूत जेम्स कारियुकी ने कहा कि अंगोला, आइवरी कोस्ट, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध की महत्ता साबित हुई है। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जुन ने एकतरफा प्रतिबंधों को अत्यधिक हानिकारक बताया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कदमों ने लक्षित देशों में आर्थिक एवं सामाजिक विकास के कार्यों और वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति को बाधित किया है। ग्रीनफील्ड ने इसके जवाब में कहा अमेरिका सुरक्षा परिषद समेत बहुपक्षीय तरीके से प्रतिबंध लगाने को तरजीह देता है, लेकिन सुरक्षा परिषद के कुछ सदस्य देश शांति प्रक्रिया को

अस्थिर नेतृत्व के अंतर्गत बहुत तेजी से पतन की ओर जा रहा है भारतीय समाज : फवाद चौधरी

-कर्नाटक के हिजाब विवाद में कूदा पाकिस्तान, इमरान के मंत्री ने कहा मोदी राज में भयावह हुए हालात

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के कर्नाटक राज्य में स्कूलों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने को लेकर चल रहे विवाद में अब पाकिस्तान की सरकार भी कूद पड़ी है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी और भारत को लेकर जहरीले बयान दिए हैं। फवाद चौधरी ने कहा मोदी के भारत में जो कुछ चल रहा है, वह डरावना है।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज एक अस्थिर नेतृत्व के अंतर्गत बहुत तेजी से पतन की ओर जा रहा है। पाकिस्तानी मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट करके कहा मोदी के भारत में जो कुछ चल रहा है, वह भयावह है। भारतीय समाज अस्थिर नेतृत्व में सुपर स्पीड से पतन की ओर जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिजाब पहनना अन्य ड्रेस की तरह से एक निजी पसंद का मामला है। नागरिकों को मुक्त होकर अपने फैसले लेने का अधिकार दिया जाना चाहिए। अल्लाह हू अकबर।

फवाद चौधरी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पाकिस्तान में जन्मी नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने भी कहा है कि लड़कियों का हिजाब पहनकर स्कूलों में घुसने से रोकना गलत है। मलाला ने एक ट्वीट करके कहा हिजाब पहने लड़कियों को स्कूलों में एंट्री देने से रोकना भयावह है। कम या ज्यादा कपड़े पहनने के लिए महिलाओं का वस्तुकरण किया जाता है। भारतीय नेताओं को मुस्लिम महिलाओं को हाशिए पर जाने से रोकना चाहिए। मलाला ही नहीं पाकिस्तान से बड़ी संख्या में ट्वीट हिजाब को लेकर किए जा रहे हैं। इनमें से कई ऐसे हैं जो भारतीय समाज में वैमनस्य बढ़ाने वाले हैं।

हिजाब को लेकर मचा यह बवाल कर्नाटक का है, जहां कुछ लड़कियों ने आरोप लगाया कि हिजाब पहनने के चलते उन्हें कैंपस और क्लास में प्रवेश नहीं करने दिया गया। हिजाब को लेकर प्रदर्शन पिछले महीने कर्नाटक के उडुपी में सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी महिला कॉलेज से शुरू हुआ था। कॉलेज की छह छात्राओं ने आरोप लगाया गया कि हिजाब पहनने के चलते उन्हें क्लास में एंट्री देने से मना कर दिया गया।

बेलगावी के रामदुर्ग महाविद्यालय और हासन, चिक्कमंगलुरु और शिवमोगा में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब या भगवा शॉल के साथ छात्र-छात्राओं के आने की घटनाएं सामने आई हैं। मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में पहुंच चुका है। कुछ छात्राओं ने कॉलेज में हिजाब पहनकर जाने की अनुमति मांगी है। इस बीच कुंदापुर स्थित एक निजी महाविद्यालय की दो और छात्राओं ने भी याचिका दायर कर इसी तरह की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

फरवरी के पहले सप्ताह में निर्यात बढ़कर 8.67 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश का निर्यात फरवरी के पहले सप्ताह (एक से सात फरवरी) में 28.51 प्रतिशत बढ़कर 8.67 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 8.67 अरब डॉलर प्रति सप्ताह इस साल औसत साप्ताहिक दर 7.0 अरब डॉलर से लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। जनवरी में देश का निर्यात 23.69 प्रतिशत बढ़कर 34.06 अरब डॉलर रहा था। संचयी रूप से चालू वित्त वर्ष 2021-22 में अप्रैल-जनवरी के दौरान निर्यात 46.53 प्रतिशत बढ़कर 335.44 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल इसी अवधि में 228.9 अरब डॉलर था।

झारखंड में दो कोयला ब्लॉकों के लिए बड़ी बोली डालमिया सीमेंट ने लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। डालमिया सीमेंट ने झारखंड में दो कोयला ब्लॉक के वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए हुई नीलामी में सबसे बड़ी बोली लगाई। कोयला मंत्रालय ने कहा कि ओडिशा में एक कोयला ब्लॉक के लिए महानदी माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड ने सबसे बड़ी बोली लगाई है जबकि पूर्वी ओडिशा में एक अन्य कोयला ब्लॉक के लिए सबसे बड़ी बोली याजदानी स्टील एंड पावर लिमिटेड ने लगाई है। इसी तरह असम में एक कोयला खदान के लिए सबसे बड़ी बोली असम मिनरल डेवलपमेंट कॉर्प लिमिटेड ने लगाई है। कोयला मंत्रालय ने नीलामी के पहले दिन पांच कोयला ब्लॉक के लिए बोलियां आमंत्रित की थी। इनमें से चार कोयला खदानों का पूरी तरह अन्वेषण हो चुका है जबकि एक खदान का आंशिक अन्वेषण हुआ है। बयान के मुताबिक नीलामी के लिए रखी गई इन पांचों कोयला खदानों की सम्मिलित भंडार क्षमता 118.81 करोड़ टन है। इनसे सालाना 59.44 लाख टन कोयले का उत्खनन किया जा सकता है।

सोने में मामूली गिरावट, चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एमसीएक्स पर बुधवार को सोने की कीमत में मामूली ?गिरावट दर्ज की गई। जबकि चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला। बुधवार को मामूली 0.01 फीसदी की गिरावट के बाद दस ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत उछलकर 48,424 रुपए पर आ गई है। वहीं चांदी की कीमत एक बार फिर से 62 हजार के पार पहुंच गई। बुधवार को चांदी के भाव में 0.36 फीसदी की तेजी आई और इसके बाद यह 62,589 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

बलूचिस्तान में विद्रोहियों के आगे पाक फौज के हौसले पस्त, इमरान ने दिया सेलरी बढ़ाने का चालच

इस्लामाबाद (ईएमएस)। बलूचिस्तान में विद्रोहियों के लगातार बढ़ते हमलों के आगे पाकिस्तानी सेना के हौसले पस्त हो चुके हैं। पाक सैनिकों में इतनी निराशा और डर पैदा हो गया है कि प्रधानमंत्री इमरान खान को उनकी हौसला अफजाई के लिए सैलरी बढ़ाने की घोषणा करनी पड़ी है। पाकिस्तीनी सेना के हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चीन से लौटने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री इमरान खान सीधे बलूचिस्तान के नौशकी पहुंचे।

इस अवसर पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा भी उनके साथ मौजूद थे। पिछले हफ्ते नौशकी में हुए विद्रोहियों के हमले में फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी सहित चार सैनिकों की मौत हुई थी। इमरान खान ने नौशकी में फ्रंटियर कॉर्प्स और पाक रेंजर्स कर्मियों के वेतन में 15 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने पाक सेना की शान में जमकर कसीदे पढ़े। उन्होंने मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी खूब तारीफ की। इमरान ने बलूचिस्तान में डरे हुए पाकिस्तानी सैनिकों को लोगों की जान बचाने वाला नायक तक करार दिया। उन्होंने डींगे हांकते हुए कहा कि मैं आज नौशकी में हूं ताकि पाक सेना के जवानों को यह संदेश दिया जा सके कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के प्रदर्शन की खूब तारीफ की। इमरान ने कहा पाक सैनिकों ने जिस तरह युद्ध लड़ा और चुनौतीपूर्ण समय में देश की रक्षा की वह बेजोड़ था। इमरान खान यहीं पर नहीं रुके, उन्होंने यहां तक दावा किया कि दुनिया में कहीं भी और कोई भी सेना पाकिस्तान के सशस्त्र बलों की क्षमता की बराबरी नहीं कर सकती। इस दौरान इमरान ने कहा राष्ट्र अब आश्वस्त है कि पाकिस्तान में आतंकवाद नहीं पनप सकता। इमरान खान ने पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की सैलरी बढ़ाते हुए देश की कंगाली का रोना भी रोया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया वर्तमान में मुद्रास्फीति के तूफान से जूझ रही है। यहां तक कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित राष्ट्र, जिनके पास पाकिस्तान से अधिक संसाधन हैं, वे भी पिछले कई साल में सबसे अधिक मुद्रास्फीति देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि सैलरी पाने वाले लोग कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहते हैं ताकि हम लोगों की सैलरी और बढ़ा सकें।

रूस ने शुरू की यूक्रेन को घेरने की तैयारी, दुनिया को चकमा देकर काला सागर पहुंचे रूसी नौसेना के 6 युद्धपोत

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन से तनाव के बीच बाल्टिक सागर से चले रूसी नौसेना के 6 युद्धपोत अब काला सागर पहुंच चुके हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पहले बताया था कि इन युद्धपोतों को भूमध्य सागर के इलाके में तैनात किया जाएगा। इनके किसी युद्धाभ्यास में भी हिस्सा लेने की बात कही गई थी। लेकिन, पल-पल बदलते हालात के कारण इन युद्धपोतों को यूक्रेन के सबसे नजदीक काला सागर में भेजा गया है।

संभावना जताई जा रही है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सीधे तौर पर अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो से भिड़ने की तैयारी कर रहे हैं। नाटो ने भी रूस की आक्रामकता का जवाब देने के लिए पूर्वी यूरोप के कई देशों में सैनिकों, हथियारों और युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। इस समय अमेरिकी नौसेना, इटैलियन नौसेना और फ्रेंच नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर भी इसी इलाके में गश्त लगा रहे हैं। ऐसे में रूस के सामने चुनौती न सिर्फ नाटो की सैन्य क्षमता का मुकाबला करना है, बल्कि यूक्रेन पर भी दबाव बनाए रखना है।

कई प्रतिरक्षा विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि नाटो के खिलाफ कार्रवाई में रूसी नौसेना के ये युद्धपोत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इनमें से पांच 775 रोपुचा क्लास के एम्फीबियस वॉरफेयर शिप हैं, जबकि एक प्रोजेक्ट 11711 इवान ग्रेन क्लास लैंडिंग शिप है। रूस ने 31 जनवरी को बाल्टिक सागर से इनमें से पहले तीन युद्धपोतों को एक साथ भेजा था। इसके बाद 2 फरवरी को तीन और युद्धपोतों को भेजा गया।

खराब मौसम होने के बावजूद ये सभी 6 युद्धपोत समय से पहले ही काला सागर इलाके में पहुंच गए हैं। एम्फीबियस युद्धपोतों को दुश्मन के समुद्री तट पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये शिप उथले पानी में भी आसानी से तैर सकते हैं। ऐसे युद्धपोतों पर बड़ी संख्या में सैनिक, टैंक, आर्मर्ड व्हीकल और दूसरे उपकरण तैनात रहते हैं। इनके जरिए सेना को तेजी से समुद्री किनारों पर पहुंचाया जा सकता है। एम्फीबियस शिप किसी भी नौसेना की सबसे बड़ी ताकत माने जाते हैं। तटीय इलाकों पर हमला करने, हथियार और रसद पहुंचाने में एम्फीबियस पोत का बहुत बड़ा योगदान होता है। इनके अंदर हथियार, उपकरणों, गाड़ियों और सैनिकों के लिए बहुत जगह होती है।

राष्ट्रपति पुतिन के आदेश पर रूसी नौसेना ने एक दिन पहले ही स्लाव क्लास के क्रूजर मार्शल उस्तीनोव को भूमध्य सागर इलाके में भेजा है। भूमध्य सागर में पहले से ही स्लाव क्लास के दो क्रूजर मौजूद हैं। इस क्लास के क्रूजर्स के पास कई अत्याधुनिक मिसाइलें, हथियार और गन हैं। ये रूसी नौसेना के सबसे ताकतवर युद्धपोत माने जाते हैं। इन युद्धपोतों पर इतना गोला-बारूद मौजूद हैं, जो पूरे यूक्रेन को पलभर में बर्बाद कर सकता है। रूसी नौसेना के कई विध्वसंक, क्रूजर और फ्रिगेट्स इस समय पूर्वी क्षेत्र को छोड़कर पश्चिम में काला सागर, भूमध्य सागर के इलाके में गश्त कर रहे हैं। मार्शल उस्तीनोव रूसी नौसेना के उत्तरी बेड़े का हिस्सा है। यह युद्धपोत आमतौर पर उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र में गश्त लगाता रहता है। यूरोप के पश्चिमी तट पर इस युद्धपोत को कई बार देखा गया है। पिछले हफ्ते नॉर्वे, ब्रिटेन और आयरलैंड के नजदीक रूस के इस युद्धपोत को देखा गया था। सबसे अधिक असामान्य बात यह है कि रूसी नौसेना के प्रशांत बेड़े का स्लाव क्लास क्रूजर वेराग भी भूमध्य सागर में है। यह युद्धपोत फरवरी में चीन और ईरान के साथ युद्धाभ्यास के लिए रूस के व्लादिवोस्तोक से स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर पहुंचा था।

टेस्ला से सरकार ने कहा- भारत में कंपनी लगानी है तो देना होगा रोजगार

मुंबई (ईएमएस)। भारत सरकार ने टेस्ला पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। सरकार का कहना है कि हमने टेस्ला से कहा है कि अगर भारत में कंपनी स्थापित करना चाहते हैं तो यहां के लोगों को रोजगार देना होगा। भारी उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री कृष्पाल गुर्जर ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि ऐसा नहीं हो सकता है कि बाजार भारत में हो लेकिन नौकरी के अवसर चीन में पैदा हो। अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख टेस्ला को तब तक छूट नहीं दी जाएगी जब तक कि वह भारत में विनिर्माण गतिविधियों में भाग नहीं लेती है। मंत्री ने संसद में प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा को यह भी बताया कि कंपनी ने अभी तक सरकार की नीति के अनुसार योजनाओं के लिए आवेदन नहीं किया है। पिछले साल, एलन मस्क की अगुवाई वाली कंपनी ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क में कमी की मांग की थी लेकिन भारी उद्योग मंत्रालय ने फर्म से किसी भी कर रियायत पर विचार करने से पहले देश में अपने प्रतिष्ठित ईवी का निर्माण शुरू करने के लिए कहा। गुर्जर ने कहा कि सरकार के पास ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकों के साथ-साथ उन्नत रसायन सेल बैटरी के निर्माण के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन हैं। दोनों योजनाएं घरेलू और विदेशी संस्थाओं के लिए खुली हैं। टेस्ला पर एक सवाल के जवाब में, मंत्री ने कहा ?कि कंपनी चीन और भारत के बाजार से श्रमिकों को चाहती है। मोदी सरकार में यह संभव नहीं है। हमारी सरकार की नीति है कि अगर भारत के बाजार का उपयोग करना है तो नौकरी के अवसरों को भारतीयों को देना होगा। मंत्री का यह जवाब कांग्रेस सदस्य के सुरेश के एक सवाल के जवाब में आया कि क्या सरकार टेस्ला को भारतीय बाजार में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित करेगी और देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बड़े पैमाने पर उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

चिंतन शिविर का सामूहिक चिंतन जनहितकारी

- भूपेन्द्र पटेल ने सहकारिता विभाग के दो दिवसीय चिंतन शिविर का किया उद्घाटन।

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि चिंतन शिविर के माध्यम से होने वाले सामूहिक चिंतन और मनन से जो नवनीत निकलता है वह लोकहितकारी और सुशासन की सच्ची दिशा है। बुधवार को अहमदाबाद के सरदार पटेल लोक प्रशासन संस्थान (स्पीपा) में राज्य के सहकारिता विभाग के दो दिवसीय चिंतन शिविर का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। इस चिंतन शिविर में राज्य के जिला सहकारी रजिस्ट्रार तथा प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए चिंतन शिविर के सफल दृष्टिकोण में हमें और तेजी लानी है। उन्होंने कहा कि समान हित के लिए एक समान ध्येय के साथ 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र के आधार पर सहकारिता क्षेत्र विकास का अनोखा मॉडल बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को काफी नजदीक से छूने वाला क्षेत्र है। यही नहीं, किसान, उद्यमी महिलाएं और छोटे व्यवसायियों के लिए इस क्षेत्र में सफलता के अनेक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा कि सहकारी क्षेत्र में 'रिडिफाइन, रिइन्वेंट और रिफॉर्म' की प्रधानमंत्री की संकल्पना को साकार करने के लिए गुजरात का सहकारिता विभाग तैयार है। इस संदर्भ में उन्होंने विभाग की विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन बनाने, वेब पोर्टल और स्मार्ट फोन एप्लीकेशन की सुविधा विकसित करने की दिशा में सामूहिक मंथन की जरूरत पर रोशनी डाली। मुख्यमंत्री ने वर्तमान कोरोना काल के बाद की स्थिति में आत्मनिर्भरता के लिए 'मुख्यमंत्री महिला उत्कर्ष योजना' या 'गुजरात आत्मनिर्भर सहाय योजना' के व्यापक कार्यान्वयन में 'उत्प्रेरक एजेंट' बनने का अधिकारियों से आह्वान किया। पटेल ने उम्मीद जताई कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए किसान सहकारी समितियों को विशेष रूप से प्रेरित करने की दिशा में भी सहकारिता विभाग कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आजादी के बाद पहली बार केंद्र सरकार में सहकारिता विभाग का गठन किया गया है। देश के पहले सहकारिता मंत्री भी गुजरात के सपूत श्री अमित शाह हैं, तब राज्य का सहकारिता विभाग केंद्र के साथ समन्वय बनाकर देश में सहकारिता क्षेत्र का विशिष्ट मॉडल बनेगा। पटेल ने कहा कि यह चिंतन शिविर केवल एक कार्यक्रम बनकर न रह जाए, बल्कि आने वाले दिनों में सहकारिता विभाग की नई जनहितकारी और सहयोगी कार्य प्रणाली को ज्यादा मजबूत बनाने वाला रोड मैप बने। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग के वेब पोर्टल को लॉन्च किया। उद्घाटन अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, राज्य मंत्री मुकेश पटेल और जीतूभाई चौधरी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन और सहकारिता विभाग के सचिव नलिन उपाध्याय मौजूद थे।

गुजरात में कोरोना के 2560 नए मरीज मिले, 8812 लोग हुए ठीक, 24 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) बुधवार का राज्य में कोरोना के 2560 नए मामले सामने आए, वहीं 8812 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जबकि 24 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। बुधवार को राज्यभर में 1.37 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में सबसे अधिक 965 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 296, वडोदरा में 110, मेहसाणा में 106, बनासकांठा में 100, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 97, राजकोट कॉर्पोरेशन में 83, सूरत में 82, सूरत कॉर्पोरेशन में 79, कच्छ में 73, राजकोट में 51, आणंद में 42, खेडा में 42, गांधीनगर में 38, पाटन में 36, भावनगर कॉर्पोरेशन में 35, भरुच में 29, मोरबी में 29, पंचमहल में 28, साबरकांठा में 23, नवसारी में 22, अहमदाबाद में 21, तापी में 21, दाहोद में 17, वलसाड में 15, डांग में 14, देवभूमि द्वारका में 14, गिर सोमनाथ में 12, अरवल्ली में 11, छोटाउदेपुर में 11, सुरेन्द्रनगर में 10, अमरेली में 9, जामनगर कॉर्पोरेशन में 9, भावनगर में 7, महीसागर में 5, नर्मदा में 5, जूनागढ़ में 4, बोटाद में 3, जामनगर में 3, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 2 और पोरबंदर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 2560 संक्रमित मरीज पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं। जबकि कोरोना से 24 मरीजों की मौत के साथ राज्य में इस रोग से मरनेवालों की संख्या 10740 हो गई हैं। वहीं 8812 लोगों के डिस्चार्ज किए जाने के साथ राज्य में अब तक कुल 1170117 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में फिलहाल 27355 सक्रिय मरीजों में 27184 स्टेबल हैं और 171 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज राज्य में 137094 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 22 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 568 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 4422 को पहला और 456 लोगों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्षीय 17129 लोगों को कोविड की पहली और 36014 लोगों को दूसरी वैक्सीन दी गई। 15 से 18 वर्षीय 11887 किशोरों को पहला और 34212 कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। जबकि 32384 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। राज्य में अब तक कुल 10 करोड़ 3 लाख 43 हजार 811 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट के दोषियों को 11 फरवरी को कोर्ट सुनाएगी सजा

अहमदाबाद (ईएमएस) यहां की विशेष अदालत 26 जुलाई 2008 में अहमदाबाद में हुए सीरियल ब्लास्ट के दोषियों को 11 फरवरी को सजा सुनाएगी। मंगलवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए 77 आरोपियों में से 28 को सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषित किया था, जबकि 49 आरोपियों को दोषी करार दिया था। आज यानी बुधवार को सजा सुनाई जानी थी, लेकिन अब इसका ऐलान 11 फरवरी को किया जाएगा। आज सुबह सभी दोषियों को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया था और दोनों पक्षों के बीच दलील भी हुई। बचाव पक्ष ने सजा का ऐलान तीन सप्ताह बाद करने की पेशकश की हैं। बचाव पक्ष की दलील पर कोर्ट ने सवाल किया कि ऐसा कोई प्रावधान है तो बताइए। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि दोषियों को सुधरने के अवकाश दिया जाना चाहिए। दोषियों की शैक्षिक योग्यता, पारिवारिक स्थिति और मेडिकल प्रमाण पेश करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। बचाव पक्ष की दलील पर सरकारी वकील ने कहा कि दोषियों ने एक जघन्य अपराध किया है और उन्हें अधिक से अधिक सजा होनी चाहिए। सरकारी वकील की ओर से अदालत में राजीव गांधी हत्या केस में कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया। सरकारी वकील ने कहा कि वाल्मिकी जैसे लोग रोज नहीं पैदा होते, जिनमें सुधार का अवकाश का हो। दोषियों के आपराधिक इतिहास, सुरंग कांड जैसी घटनाओं का कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलों के बाद कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील से कहा कि वे आज ही जेल में बंद दोषियों से मुलाकात करें और उनका पक्ष जानकर उसे अदालत के समक्ष पेश करें। साथ ही कोर्ट ने जयपुर, बेंगलुरू, गया, भोपाल और अन्य जेलों में बंद कैदियों की मेडिकल डिटेइल और अन्य दस्तावेज आज शाम तक साबरमती सेंट्रल भेजने का आदेश दिया हैं। साथ ही कोर्ट ने कहा कि 11 फरवरी को दोषियों की सजा का ऐलान किया जाएगा। गौरतलब है 26 फरवरी 2008 को अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों में 56 जितने निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 200 से ज्यादा घायल हो गए थे। मंगलवार को इस मामले में गिरफ्तार 77 आरोपियों में से 49 को दोषी करार दिया था। जबकि 28 आरोपियों को सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषत किया था। हांलाकि निर्दोष घोषित 28 में से 22 आरोपियों को फिलहाल जेल से रिहा नहीं मिलेगी, क्योंकि उनके खिलाफ अन्य राज्यों में भी मुकद्दमे चल रहे हैं।

बिना इंजन कवर के मुंबई से एलायंस एयर का विमान पहुंचा भुज

अहमदाबाद, ९ फरवरी।

भारतीय विमानन क्षेत्र में बुधवार को मुंबई से बुधवार सुबह ७० यात्रियों को लेकर एलायंस एयर का विमान बिना इंजन कवर के भुज पहुंच गया और बाद में यहां हवाई अड्डे पर उसका इंजन कवर मिला। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच शुरू कर दी है।

एक अधिकारी ने बताया कि एलायंस एयर का विमान गुजरात के भुज में सुरक्षित उतरा। मुंबई के विमान यातायात नियंत्रक (एटीसी) ने हवाई एड्डे के अधिकारियों के संज्ञान में यह बात लाई। बाद में डीजीसीए ने इस घटना की जांच शुरू की। अधिकारी ने कहा कि मुंबई एटीसी ने हवाई अड्डा प्रशासन को सूचित किया कि उड़ान ९१-६२५ (मुंबई-भुज) संचालित करने वाले एलायंस एयर एटीआर विमान ने बाएं इंजन पर बिना किसी कवर के उड़ान भरी। बाद में इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची और उसे रनवे पर इंजन का कवर मिला। अधिकारी ने कहा कि बिना इंजन कवर के विमान के उड़ने से परेशानी हो सकती थी। अभी तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है लेकिन डीजीसीए की रिपोर्ट आने के बाद समुचित कार्रवाई की जाएगी। मुंबई से गुजरात के कच्छ भुज आने वाले यात्री विमान के इंजन का कवर उड़ जाने के बावजूद विमान को भुज में सुरक्षित लैंड किया गया।

बारातियों ने सिर पर साफा पहनने के खिलाफ आपत्ति हुई

पुलिस की मौजूदगी में दलित युवक के दुल्हे पर पत्थरबाजी

अहमदाबाद, ९ फरवरी।

गुजरात राज्य के बनासकांठा जिले में एक दलित दुल्हे को रोका गया था। उल्लेखनीय है कि दलित युवक घोड़े पर बैठकर शादी के लिए जा रहे होने की वजह से बारात पर पत्थरबाजी की गई थी। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार गांव के सरपंच सहित कुल २८ लोगों के विरूद्ध पुलिस शिकायत दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को पालनपुर तहसील के मोटा गांव में यह घटना हुई थी। पत्थरबाजी में एक व्यक्ति को चोट लगी है। आईपीसी की धारा १४३, ५०६ सहित अन्य के तहत अपराध दर्ज किया गया है। डीसीपी कुशल ओजा बताते है कि, घटना के एक दिन बाद गढ पुलिस स्टेशन में एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। डीसीपी कुशल ओजा ने बताया है कि, जबकि दुल्हा गांव के पास से जा रहा था तब कुछ अज्ञात शख्सों ने २-३ पत्थर उस पर मारा। यह पत्थरबाजी में दुल्हे के एक रिश्तेदार को चोट लगी।

हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और पूरे मामले की जांच डीवायएसपी को सौंपी है। अभी तक इस केस में एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। विराभाई सेखालिया नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। विराभाई ने ७ फरवरी को अपने छोटे बेटे अतुल की शादी निकट के गांव में रहती एक युवती के साथ करने की योजना बनाई थी। जबकि गांव के सरपंच भरतसिंह राजपूत तथा अन्य बुजुर्ग को जानकारी मिली की अतुल अपनी बारात में घोड़े पर बैठकर जाने वाला है उसने अपने पिता विराभाई को बुलाकर कहा कि, घोड़े पर बारात ले जाने का विचार स्थगित कर दो नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। विराभाई ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि, जबकि हमारा परिवार निर्णय पर दृढ़ रहा तो सरपंच ने रविवार को गांव के लोगों की मीटिंग बुलाकर जिसमें २७ अन्य लोगों ने भी खुलेआम हमें कहा कि एससी समाज के लोग बारात में घोड़े पर बैठकर नहीं जा सकते हैं।

कोर्ट ने नवलखी सामूहिक दुष्कर्म केस में दोनों दोषियों को सुनाई ताउम्र कैद की सजा

वडोदरा (ईएमएस) वडोदरा के पोक्सो कोर्ट ने शहर के नवलखी सामूहिक दुष्कर्म के दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए ताउम्र कैद की सजा सुनाई हैं। साथ ही रु. 50000 का जुर्माना भी किया हैं। सरकारी वकील ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की थी। करीब 26 महीने पुराने इस मामले पर नजर डालें तो 28 नवंबर 2019 को 14.8 वर्षीय किशोरी अपने मंगेतर के साथ वडोदरा के नवलखी ग्राउंड में बैठी थी। उस वक्त किशन माथासुरिया और जशा सोलंकी नामक दो शख्स उनके पास पहुंच गए। किशन और जशा ने किशोरी के मंगेतर को डरा-धमका कर वहां से भगा दिया और उसके बाद किशोरी को निकट की झाड़ी में घसीट ले गए। जहां दोनों ने किशोरों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद क्राइम ब्रांच ने 45 दिनों में जांच पूर्ण कर पोक्सो कोर्ट में 1500 पन्नों की चार्जशीट पेश कर दी। पुलिस ने इस मामले में 40 गवाहों की जांच की थी। पीड़िता समेत दो लोगों का 164 के तहत बयान कलमबद्ध किया गया था। अहमदाबाद और वडोदरा क्राइम ब्रांच ने पूरे मामले की जांच की थी। मामले की पैरवी के लिए खास सरकारी वकील प्रवीण ठक्कर को नियुक्त किया गया और इसकी सुनवाई भी फास्ट ट्रेक कोर्ट में की गई। बुधवार को पोक्सो कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंरंस के जरिए आरोपियों को पेश किया गया। सरकारी वकील प्रवीण ठक्कर ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में सायन्टिफिक प्रमाण मिले हैं और डीएनए मैचिंग समेत मजबूत सबूतों का हवाला देते हुए दोनों आरोपियों को मृत्युदंड देने की मांग की। करीब 26 महीने चले मुकद्दमे के आज फास्ट ट्रेक कोर्ट ने दोनों को पोक्सो की धारा 6/1 के तहत दोषी करार देते हुए ताउम्र कैद की सजा का आदेश दिया। साथ ही रु. 50000 के जुर्माने का भी आदेश दिया हैं।

पति खराब विडियो देखकर पत्नी के साथ संबंध बनाता

अहमदाबाद, ९ फरवरी।

शादी के बाद विवाहिता को तीन महीने तक अच्छे तरीके से रखने के बाद शारीरिक और मानसिक अत्याचार करने पर विवाहिता ने पति और सास ससुर के विरूद्ध में पश्चिम महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शहर के पॉश इलाके में रहती विवाहिता को थलतेज में रहते एक युवक के साथ प्रेम संबंध हो जाने पर दोनों फरवरी २०२० में शादी की थी।

हालांकि शादी के तीन महीने तक सास ने इसे अच्छी तरीके से रखने के बाद घरकाम की छोटी छोटी बातों में इसकी सास ससुर इसके साथ वादविवाद करते थे। तेरे मां-पिता भीखारी है, तुम्हारी कोई औकात नहीं है, हमारे बताये अनुसार ५० लाख रुपये का सामान नहीं दिया है। हालांकि यह मामले की जानकारी विवाहिता इसके पति को करे तो वह भी नाराज होकर इसे गंदी गाली देता था। इतना ही नहीं विवाहिता का आरोप है कि इसकी तबियत ठीक नहीं होने की वजह से वह खराब विडियो देखकर मेरे साथ संबंध बनाता था। विवाहिता की तबियत ठीक नहीं होने से उसने माइके में आराम करने के लिए जाने का कहने पर इसकी सास नाराज हो गई थी और झगड़ा करके इसकी सास ने इसे थप्पड़ मार दिया था। खाना भी नहीं दिया था। विवाहिता अपने रुम में थी तब इसके ससुर इसे मनाने के लिए आये थे और खराब तरीके से हाथ फेरववा लगे थे। जिसकी वजह से विवाहिता ने अपनी मां को जानकारी देकर माइके आ गई थी। बाद में समाधान होने पर वह फिर से ससुराल रहने गई थी।

जहां दो तीन महीने तक अच्छे तरीके से रखने के बाद फिर से इसे परेशान करने लगे थे। इसका पति इसे दूसरी लड़कियों की खराब फोटो बताया और यह तेरी फोटो है यह कहकर इसके साथ झगड़ा करता था।

अंत में परेशान होकर विवाहिता ने पुलिस को जानकारी देकर इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। हाल में पुलिस ने यह पूरे मामले में शिकायत दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद से १०५ लोगों ने फॉर्म भरा

तलाटी की ३४३७ जगह के लिए ८.५ लाख से ज्यादा अर्जी आई

गांधीनगर, ९ फरवरी।

गुजरात पंचायत सेवा पसंदगी बोर्ड द्वारा ग्राम पंचायत सेक्रेटरी की ३४३७ जगह के लिए भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। यह जगह के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन शुरू है तब अभी तक में ८.५ लाख से ज्यादा उम्मीदवारों द्वारा फॉर्म भरा गया है। यह भर्ती में आगामी १५ फरवरी तक ऑनलाइन फॉर्म भरा जा रहा है तब यह आंकड़ा १० लाख को पार कर जाए ऐसी संभावना है। उम्मीदवार ओजस पर से या तो यहां से दी गई लिंक पर से ऑनलाइन अर्जी कर सकते है। ऑनलाइन अर्जी करने की अंतिम तारीख और भर्ती की घोषणा सहित की जानकारी नीचे के टेबल में दी गई है। यह भर्ती के लिए खाली कुल ३४३७ जगहों प्रत्येक जिला के अनुसार है। जिसमें अहमदाबाद में १०५, अमरेली में २०५, आणंद में १२५, अरवल्ली में ४१, बनासकांठा में १२०, भरूच में १६४, भावनगर में २०८, बोटाद में ४४, छोटाउदेपुर में ८५, दाहोद में ६८, देवभूमि द्वारका में ७५स डांग में १८, गांधीनगर में २३, गीरसोमनाथ ९३, जामनगर में १६१, जूनागढ़ १९१, कच्छणा १५९, खेडा में १२६, महीसागर में ४८, मेहसाणा में १५२ जगह मोरबी में ५६, नर्मदा में ९६, नवसारी में ६४, पंचमहाल में ९९, पाटण में ११८, पोरबंदर में ४४, राजकोट में १८८, साबरकांठा में ४२, सूरत में ९०, सुरेन्द्रनगर में १३७, तापी में ६१, वडोदरा में १४१, वलसाड में ९० जगह मिलाकर ३४३७ जगह के लिए भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। इसके लिए नौकरी के लिए मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक हुए उम्मीदवार अर्जी कर सकते हैं। ऑनलाइन अर्जी करने के समय शैक्षणिक योग्यता आदि चेक कर लेना, अर्जी करने के साथ उम्मीदवारों को अपनी योग्यता भी जांच करना अर्जी करने की उम्र और अधिकतम योग्यता की उम्र ३६ वर्ष है। चुने गये उम्मीदवारों को प्रथम पांच वर्ष के लिए सरकार के प्रावधान के अनुसार फीक्स १९९५० रुपये प्रति महीना फीक्स वेतन दिया जाएगा। अब तथा अन्य लाभ मिलने के पात्र होंगे। यह भर्ती में उम्मीदवारों की भर्ती लिखित और स्पर्धात्मक परीक्षा पद्धति से की जाएगी। जिसमें मेरिट के आधार पर उम्मीदवारों की पसंदगी की जाएगी।

टीम फ्रेंचाइजी ने किया ऑफिशियल अनाउंसमेंट

आईपीएल टीम अहमदाबाद टाइटन्स का नामकरण हुआ अब गुजरात टाइटन्स

टीम के कोच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आशीष नेहरा होंगे। वहीं, कप्तान हार्दिक पंड्या को बनाया गया है।

मुंबई, ९ फरवरी।

आईपीएल में अहमदाबाद की टीम का नाम गुजरात टाइटन्स होगा। १२ और १३ फरवरी को होने वाले प्लेयर्स के मेगा ऑक्शन से पहले टीम फ्रेंचाइजी सीवीसी कैपिटल ने इसका ऐलान किया है। टीम के कोच आशीष नेहरा होंगे। वहीं, कप्तान हार्दिक पंड्या को बनाया गया है।

टीम पहले ही भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान को १५-१५ करोड़ रुपए, जबकि युवा ओपनर शुभमन गिल को ८ करोड़ रुपए में खरीदकर अपने साथ जोड़ चुकी है। अहमदाबाद की टीम को सीवीसी कैटिपल ग्रुप ने ५६२५ करोड़ रुपए की बोली लगाकर खरीदा है।

हार्दिक पंड्या अब तक ढ्रक्क में मुंबई इंडियंस से खेलते रहे हैं, लेकिन इस बार मुंबई फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि पंड्या गुजरात के हैं और स्थानीय फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता को भुनाने के लिए फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तान बनाया है। फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि पंड्या अगर बॉलिंग नहीं भी करते हैं तो भी ब्रांडिंग के लिहाज से टीम के लिए फायदे का सौदा साबित होंगे।

टीम के सह-मालिक सिद्धार्थ पटेल ने नाम तय करने की प्रक्रिया की जानकारी स्टार स्पोर्टस के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया कि गुजरात टाइटन्स नाम को लेकर हमने काफी रिसर्च की। हमने इसके लिए एक एजेंसी हायर की। हमारी कोशिश थी कि हम पूरे गुजरात की छवि को आगे पेश कर सकें।

टीम के कप्तान हार्दिक ने कहा कि मेरा परिवार गुजरात से है, सभी लोग गुजरात में रहते हैं। जब सभी को पता लगा कि मैं गुजरात से जुड़ी टीम की कप्तानी कर रहा हूं, तो उन्हें गर्व हुआ है।

टीम ने ट्वीट कर लिखा है कि हम खुले विचार वालों को टीम के साथ जोड़ रहे हैं। हम चुनौतियों और विषम परिस्थितियों से लोहा लेने के लिए तैयार हैं और यही चीज हमें टाइटन्स बनाती है।

हमारा विजन बड़े से बड़े से बड़ा गोल अचीव करना है। हमारा शहर सपनों का शहर है। हमारे शहर में विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम है। साथ ही वर्ल्ड की सबसे बड़ी स्टैच्यू भी हमारे यहां ही है। हमारे शहर ने क्रिकेट के कई लीजेंड्स को जन्म दिया है। हमें इसी परंपरा को आगे ले जाना है। शुभमन गिल की बात करें तो अहमदाबाद ढ्रक्क में उनकी दूसरी टीम होगी। ढ्रक्क २०१८ के बाद से शुभमन कोलकाता से खेल रहे थे। तब कोलकाता ने उन्हें १.८ करोड़ में खरीदा था। वहीं, राशिद को सनराइजर्स हैदराबाद ने २०१७ में ४ करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद २०१८ में हैदराबाद ने उन्हें नौ करोड़ रुपए में रिटेन किया था।

गृह क्लेश में पिता ने विवाहित बेटी को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने जांच शुरू की

भावनगर (ईएमएस) भावनगर के सिहोर में आज सुबह पिता ने गृह क्लेश को लेकर अपनी विवाहित बेटी को मौत के घाट उतार दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की हैं। भावनगर जिले की सिहोर तहसील के खाराकुवा क्षेत्र में एक विवाहित बेटी की उसके पिता ने ही हत्या कर दी। मृतक बेला की पहली शादी भावनगर के हरेश शाह नामक युवक से हुई थी। पहले वैवाहिक जीवन में एक बेटे का जन्म हुआ। हांलाकि बाद में बेला और हरेश शाह ने डिवोर्स ले लिया। जिसके बाद बेटे के साथ बेला अपने मायके लौट आई। कुछ समय के पश्चात बेला की शादी भावनगर जिले के महुवा कर दी गई। लेकिन वहां भी पति के साथ लड़ाई-झगडे के बाद बेला ने मायके में शरण ले ली। दो शादियां टूटने के बाद बेला के लौटने से पिता के घर लड़ाई झगड़े बढ़ गए। जिसकी वजह से पिता-पुत्री के बीच अंतर बढ़ने लगा। आज सुबह पिता-पुत्री के बीच तकरार हुई जो इतनी बढ़ गई कि आवेश में आकर पिता ने बेला पर सिर दस्ते से ऐसा प्रहार किया कि वह वहीं ढेर हो गई। इस घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना पाते ही सिहोर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू कर दी।

आगामी २४ घंटे तक राज्य में ठंडी का अनुभव होगा

फरवरी के अंत तक में सर्दी की विदाई का पूर्वानुमान

अहमदाबाद, ९ फरवरी।

गुजरात में फिलहाल लोगों को डबल सीजन का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और देर शाम से ठंड होती है जबकि दोपहर में गर्मी लगती है। मौसम विभाग के बताये अनुसार, कल से गुजरात में ठंडी में कमी होगी। राज्य में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री वृद्धि देखने को मिलेगी। जिसकी वजह से गर्मी ज्यादा दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही बेमौसम बारिश की कोई संभावना नहीं होने का व्यक्त किया गया। फरवरी के अंत तक में सर्दी की विदाई का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के बताये अनुसार, कुछ दिन राहत देने के बाद राज्य में फिर से कुछ दिनों से ठंडी की शुरूआत हो रही है। जिसके तहत आगामी २४ घंटे तक राज्य में ठंडी का अनुभव होगा। राज्य के नागरिकों को अब एक दिन बाद ठंडी से राहत मिलने की संभावना है। विशेष करके अहमदाबाद में डबल सीजन का अनुभव होगा। जिसमें दोपहर में गर्मी और रात को ठंड रहेगी। जबकि कच्छ और सौराष्ट्र में बादल छाया मौसम देखने को मिलेगा। देश के मौसम की बात करे तो आज, उत्तर भारत में बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग जारी किए गये पूर्वानुमान के अनुसार दिल्ली के कुछे क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इस मामले में यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। भारतीय मौसम विभाग के बताये अनुसार, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल में बारिश की संभावना है। आगामी २४ घंटे में लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। उसी समय में, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब में हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, ९ और १० फरवरी को जम्मू-कश्मीर के कई स्थलों पर बारिश और बर्फबारी होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

राजस्थान से सूरत जाती बस १५ फीट गड्ढे में पलट गई

नडियाद कपडवंज हाइवे पर राजस्थान से सूरत जाती बस पलट गई थी, बस में ५० यात्री सवार थे

खेडा, ९ फरवरी।

देर रात को नडियाद कपडवंज रोड पर वीणा पाटिया के पास दुर्घटना हुई थी। निजी लक्जरी बस राजस्थान से सूरत जा रही थी इसी दौरान वीणा पाटिया के पास दुर्घटना हुई थी।

लक्जरी बस पलटने पर साइड पर स्थित १५ फीट गड्ढे में गिर गई थी। लक्जरी बस में ५० यात्री सवार थे, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई थी। लेकिन तीन यात्री घायल हुए थे। लक्जरी बस पलटने पर एक यात्री बस में फंस गया था। जिसे फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा काफी प्रयास से बाहर निकाला गया। नडियाद कपडवंज रोड पर दुर्घटना की जानकारी मिलने पर नडियाद फायर ब्रिगेड की टीम और १०८ की चार एंबुलेंस तथा महुधा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई थी। ५० यात्री सवार होने की वजह से १०८ की चार एंबुलेंस घायलों की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंच गई थी। नडियाद, महुधा, कठलाल १०८ की एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंच गई थी। हालांकि, इस दुर्घटना में तीन व्यक्ति घायल हुए थे प्रशासन ने राहत की सास ली। अब दूसरी तरफ बस पलटने से इसमें एक यात्री फंस गया। यह यात्री को बाहर निकालने के लिए नडियाद फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फंसा हुआ व्यक्ति बस के अंदर नीचे दब गया था। फंसा हुआ व्यक्ति बाहर निकालने के लिए नडियाद फायर ब्रिगेड की टीम ने स्पेडर कटर की मदद से बस का पतरा काटकर इसे बस से बाहर निकाला था। करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद बस में फंसा हुआ व्यक्ति को नडियाद फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा बाहर निकाला गया। फंसे हुए व्यक्ति को उपचार के लिए नडियाद सिविल अस्पताल में भेजा गया यह नडियाद फायर ब्रिगेड के इंचार्ज फायर अधीक्षक अशोक शर्मा ने बताया।

अहमदाबाद इकाई ने राजकोट मंडल के राजकोट-ओखा खंड को चालू करके एक और उपलब्धि हासिल की

अहमदाबाद, भारतीय रेलवे के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के क्रम में, केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, अहमदाबाद इकाई ने राजकोट मंडल के राजकोट-ओखा खंड को चालू करके एक और उपलब्धि हासिल की है। रेलवे विद्युतीकरण/अहमदाबाद के मुख्य परियोजना निदेशक श्री ए के चौधरी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह एक उत्कृष्ट कार्य किया गया है, जिससे नए विद्युतीकृत खंड में माल और यात्री ट्रेन के परिचालन में सुवुधा होगी। सीआरएस निरीक्षण के पूर्व खंड का विद्युत लोको परीक्षण 110 किमी प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक दो बार पूरा किया गया है। श्री आर के शर्मा, सीआरएस/डब्ल्यूसी ने 09.02.2022 को 70 आरकेएम और 87 टीकेएम के भाटिया-ओखा सेक्शन का निरीक्षण किया और ओएचई सिस्टम की विश्वसनीयता और सुरक्षा में तकनीकी पहलू और सुधार के लिए सलाह दी। प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता पश्चिम रेलवे, श्री जी एस भवरिया के साथ मुख्यालय / पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और मंडल रेल प्रबंधक राजकोट, श्री ए के जैन के एवं राजकोट मंडल के अधिकारियों के साथ सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण किया। यह कमीशनिंग होने से, राजकोट के ओखा से द्वारका के माध्यम से मिसिंग लिंक को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है द्वारका एक हिंदू तीर्थ स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जहां प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर है, जिसमें मुख्य मंदिर, नक्काशीदार प्रवेश द्वार और भगवान कृष्ण की काले संगमरमर की मूर्ति के स्थित है। यह विद्युतीकृत खंड इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ तेज और बेहतर ट्रेन सेवा का कार्य करेगा, जो भारतीय रेलवे पर नवीनतम हरित पहल के रूप में हरित भारत के महत्वाकांक्षी मिशन को भी बढ़ावा देगा। रेलवे विद्युतीकरण के शीघ्र पूरा होने का लाभ बहुत प्रभावशाली है जो डीजल लोकोमोटिव की निर्भरता को कम करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा और इससे प्रति वर्ष लगभग 100 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है, जो ईंधन के आयात के कारण वित्तीय बोझ को कम करने में सहायता करेगा। रेलवे विद्युतीकरण टीम अहमदाबाद द्वारा भाटिया से ओखा तक की इस परियोजना के विद्युतीकृत करने में, विद्युत, सिविल तथा सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्यों को करने में लगभग 103 करोड़ रुपये की लागत आई है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95